● वर्ष : 17 ● अंक : 208 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दिल्ली से प्रकाशित मंगलवार 19 मई 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

आतंकवाद को जड़ से खत्म करना भारत नॉर्वे की साझा प्रतिबद्धता : पीएम मोदी

एजेंसी। ओस्लो

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि आतंकवाद के हर रूप को जड़ से समाप्त करना भारत और नॉर्वे की साझा प्रतिबद्धता है। उन्होंने बढ़ती वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक संस्थाओं में सुधार की अनिवार्यता का दोहराया। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के साथ प्रेस वक्तव्य देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नॉर्वे प्रकृति और मानव प्रगति के बीच सामंजस्य का सुंदर उदाहरण है। उन्होंने नॉर्वे के प्रधानमंत्री का आत्मीय स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया। मोदी ने कहा कि वह पिछले वर्ष नॉर्वे आने वाले थे, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले के कारण उनकी यात्रा स्थगित करनी पड़ी थी। उन्होंने कहा कि उस कठिन समय में नॉर्वे ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ मजबूती से खड़े होकर सच्ची मित्रता का परिचय दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और नॉर्वे दोनों नियम-आधारित व्यवस्था, संवाद और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि केवल सैन्य संघर्ष से किसी भी समस्या का समाधान संभव नहीं है। यूक्रेन और पश्चिम एशिया के मुद्दों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत शांति और संघर्ष की शीघ्र समाप्ति के हर प्रयास का समर्थन करता रहेगा। मोदी ने कहा कि भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच पिछले वर्ष हुए ऐतिहासिक व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते से भारत और नॉर्वे के बीच साझा प्रगति और समृद्धि को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि अगले 15 वर्षों में इस समझौते के तहत भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश आने और 10 लाख रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इस समझौते को ठोस परिणामों में बदलने के लिए दोनों देशों ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को खुशी है कि नॉर्वे 'इंडो-पैसिफिक ओशन्स इनिशिएटिव' से जुड़ रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों बड़े समुद्री देशों के रूप में भारत और नॉर्वे समुद्री अर्थव्यवस्था, समुद्री सुरक्षा और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करेंगे।

भारतीय प्रधानमंत्री की चार दशक बाद नार्वे यात्रा

ओस्लो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी छह देशों की पांच दिवसीय विदेश यात्रा के चौथे दिन सोमवार को नार्वे की राजधानी ओस्लो पहुंचे। ओस्लो पहुंचने पर नार्वे के प्रधानमंत्री योनास गार स्टोरे ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। चार दशक से अधिक समय बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली नार्वे यात्रा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 मई को ओस्लो में आयोजित होने वाले तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इस दौरान वह नॉर्डिक देशों के नेताओं के साथ विभिन्न द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि वह ओस्लो पहुंच गए हैं और हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत के लिए प्रधानमंत्री योनास गार स्टोरे के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि चार दशक से अधिक समय बाद किसी

भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली नार्वे यात्रा है और उन्हें विश्वास है कि इससे भारत-नार्वे मैत्री संबंधों को नई ऊर्जा मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह नार्वे के राजा हेराल्ड पंचम और महारानी सोन्या से भेंट करेंगे तथा प्रधानमंत्री योनास गार स्टोरे के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। 19 मई को ओस्लो में होने वाला तीसरा भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन नॉर्डिक देशों के अपने समकक्ष नेताओं से मिलने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

पेपर लीक का बम प्रधान पर फोड़ने की तैयारी में राहुल गांधी

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के हाथ में नीट-यूजी पेपर लीक का बम आ गया है। यह ऐसा बम है, जिसमें लाखों युवा और उनके करोड़ों परिवारजन का भविष्य और नाराजी जुड़ी हैं। करोड़ों लोगों को प्रभावित करने वाले इस बम को लेकर, राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने लगातार परीक्षा पेपर लीक होने के मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा लेने या बर्खास्त करने की सीधी मांग कर दी है। देश के विभिन्न राज्यों में पेपर लीक की 80 से ज्यादा घटनाएं हो चुकी हैं। नीट परीक्षा के 2024 में पेपर लीक हुए थे। इस परीक्षा में बड़ी संख्या में लोग 700 से ज्यादा अंक लेकर हजारों परीक्षार्थी पास हुए थे।

जिनके एडमिशन एम्स और अन्य सरकारी मेडिकल कॉलेज में नीट परीक्षा परिणाम के बाद हुए थे। उस परीक्षा में भी बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप लगे थे। उस समय यह मामला रफा-दफा हो गया था। सुप्रीम कोर्ट के बीच में आ जाने के कारण ना तो दोबारा परीक्षा हुई, ना ही परीक्षा परिणाम को लेकर सरकार ने कोई जांच कराई। नीट परीक्षा में लगातार गड़बड़ी की शिकायत आती रही है। देश में हजारों करोड़ों रुपए का यह ऐसा घोटाला है। जो एम्स और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के नाम पर पिछले कई वर्षों से चल रहा है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों की फीस, निजी कॉलेजों की तुलना में बहुत कम होती है। प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की फीस लाखों रुपए प्रतिवर्ष तक पहुंचती है। ऐसी स्थिति में नीट परीक्षा के माध्यम से सरकारी मेडिकल कॉलेजों में दाखिला दिलाने के नाम पर कोचिंग सेंटर, दलाल इस गोरखधंधे में शामिल होकर करोड़ों रुपए की कमाई कर रहे हैं।

परीक्षा से जुड़े लोगों को हर साल करोड़ों रुपयों की कमाई हो रही है। इस बार भी करीब 22 लाख छात्र-छात्राओं ने नीट के फॉर्म भरे थे। हजारों करोड़ों रुपए की फीस परीक्षार्थियों से वसूली गई। कोचिंग सेंटर में हजारों करोड़ों रुपए छात्र-छात्राओं ने खर्च किए हैं। कई छात्र-छात्राओं ने दो से तीन साल तक रात दिन मेहनत करके इस परीक्षा की तैयारी की थी। पेपर लीक हो जाने से सबके भविष्य में प्रश्न चिन्ह लग गया है। इस मामले को लेकर लगभग सभी राज्यों के युवा अब सड़कों पर आ गए हैं। दक्षिण के राज्यों ने अलग तरह से प्रवेश परीक्षा संचालित करने की बात करना शुरू कर दी है। अभी तक 80 बार से ज्यादा विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। युवा वर्ग इस समय काफी नाराज है। सभी राज्यों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। ऐसी स्थिति में राहुल गांधी ही एक ऐसे नेता हैं, जिन्होंने खुलकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लेने या बर्खास्त करने का दबाव प्रधानमंत्री पर बनाना शुरु कर दिया है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

चीन में जानलेवा भूकंप: दो की मौत, कई इमारतें बनीं मलबा

बीजिंग। दक्षिण चीन के गुयांग्झी स्वायत्त क्षेत्र में सोमवार तड़के आए एक तेज भूकंप ने भारी तबाही मचाई है, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, रिक्टर पैमाने पर 5.2 की तीव्रता वाले इस भूकंप के कारण कम से कम दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि एक व्यक्ति अभी भी लापता बताया जा रहा है। इसके साथ ही कई लोगों के घायल होने की भी खबर है, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, भूकंप के यह जोरदार झटके सोमवार रात 12 बजकर 21 मिनट पर महसूस किए गए। इस प्राकृतिक आपदा का मुख्य केंद्र लिउझोउ शहर के लिउनान जिले के अंतर्गत आने वाले ताइयांगचुन कस्बे के पास था। भूगर्भ वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस भूकंप की गहराई जमीन से केवल 8 किलोमीटर नीचे थी। गहराई काफी कम होने की वजह से झटके बेहद तेज और विनाशकारी महसूस किए गए, जिससे लोगों को संभलने का मौका नहीं मिला। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि इस भीषण भूकंप के कारण इलाके की कम से कम 13 इमारतें पूरी तरह से जमींदोज हो गईं। हादसे के बाद मुस्तैदी दिखाते हुए प्रशासन ने एहतियात के तौर पर 7,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है।

देशभर में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और नेचुरल गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद पूरे देश

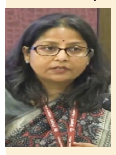

में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और नेचुरल गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। केंद्र ने कहा कि एलपीजी वितरकों, रिटेल आउटलेट्स या उपभोक्ताओं को घबराने की कोई ज़रूरत नहीं है, क्योंकि सभी ज़रूरी ईंधनों की सप्लाई सामान्य रूप से जारी है। पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने पश्चिम एशिया घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे देश में एलपीजी वितरकों, रिटेल आउटलेट्स या उपभोक्ताओं को घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि सभी जरूरी ईंधनों की सप्लाई सामान्य रूप से जारी है। उन्होंने सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे घबराकर ज्यादा खरीदारी न करें और ज़रूरत के हिसाब से ही ईंधन खरीदें। उन्होंने बताया कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की उपलब्धता और समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। नागरिकों को पीएनजी, इंडक्शन और इलेक्ट्रिक कुकटॉप जैसे खाना पकाने के वैकल्पिक ईंधनों को ज़्यादा से ज़्यादा अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (खाड़ी) असीम आर महाजन ने संवाददाताओं को बताया कि खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रखी जा रही है, और भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

बढ़ती महंगाई को लेकर खड़गे बोले- मोदी सरकार में दूरदर्शिता की कमी

पेट्रोल-डीजल कीमतों में बढ़ोतरी पर कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र सरकार को घेरा

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पेट्रोल-डीजल और जरूरी वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। खड़गे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने चुनावी नुकसान से बचने के लिए पेट्रोल-डीजल की वास्तविक कीमतों को चुनाव तक नियंत्रित रखा और चुनाव खत्म होते ही आम जनता पर महंगाई का बोझ डाल दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी अपने बयान में खड़गे ने कहा कि अगर चुनाव से पहले ईंधन की कीमतें बढ़ाई जातीं तो भाजपा को राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता था। इसी वजह से सरकार ने असली आर्थिक स्थिति को जनता से छिपाकर रखा। उन्होंने कहा कि चुनाव समाप्त होते ही पेट्रोल, डीजल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी शुरू हो गई। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह स्थिति सरकार की "दूरदर्शिता की कमी" को दर्शाती है। उनके अनुसार लगातार बढ़ती महंगाई का सबसे ज्यादा असर गरीब और मध्यम वर्ग पर पड़ रहा है। रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना आम लोगों के लिए कठिन होता जा रहा है। हाल के दिनों में देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसे लेकर विपक्ष ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है और आरोप लगाए हैं, कि केंद्र सरकार पहले भी ईंधन पर भारी टैक्स वसूलकर मुनाफा कमाती रही है और उपभोक्ताओं को पर्याप्त राहत नहीं दी गई।

वीडी सतीशन ने ली केरल के मुख्यमंत्री पद की शपथ

राहुल, खरगे और प्रियंका गांधी जैसे कई दिग्गज रहे मौजूद

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

केरल की राजनीति में एक दशक बाद बड़ा बदलाव हुआ है। कांग्रेस नेता वीडी सतीशन ने सोमवार को तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित एक भव्य समारोह में केरल के नए मुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इसके साथ ही राज्य में दस साल बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की सत्ता में वापसी हो गई है। केरल के राज्यपाल आरवी आर्लेकर ने मुख्यमंत्री सतीशन के साथ उनके 21 सदस्यीय मंत्रिपरिषद को भी शपथ दिलाई। सत्ता परिवर्तन के इस ऐतिहासिक मौके पर पूरी राजधानी जश्न के माहौल में डूबी नजर आई। शपथ ग्रहण समारोह के साक्षी बनने के लिए सेंट्रल स्टेडियम में हजारों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक पहुंचे, जिससे पूरा परिसर खचाखच भरा रहा। इस गरिमामयी समारोह की शुरुआत वंदे मातरम् गीत से हुई। नए मुख्यमंत्री की हौसलाअफजाई के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी सहित देश के कई दिग्गज राजनेता इस कार्यक्रम में विशेष रूप से मौजूद रहे। वीडी सतीशन के नेतृत्व वाली इस नई सरकार में अनुभवी और युवा चेहरों का बेहतरीन संतुलन देखने को मिला है। 21 सदस्यीय कैबिनेट में 14 नए चेहरों को शामिल किया गया है। कांग्रेस कोटे से रमेश चेन्निथला, सनी जोसेफ, के मुरलीधरन, एपी अनिल कुमार, पीसी विष्णुनाथ, रोजी एम जॉन, बिंदु कृष्णा, एम लिजू, टी सिद्दीकी, केए थुलसी और ओजे जनेश ने मंत्री पद की शपथ ली। गठबंधन सहयोगी आईयूएमएल को पांच मंत्री पद मिले हैं, जिनमें पीके कुन्हालिकुट्टी, केएम शाजी, वी अब्दुल गफूर, एन शम्सुद्दीन और पीके बशीर कैबिनेट में शामिल हुए हैं। इनके अलावा मॉन्स जोसेफ, शिबू बेबी जॉन, अनूप जैकब और सीपी जॉन को भी मंत्रिपरिषद में जगह दी गई है।

यूपी में मैजिक को ट्रक ने मारी टक्कर, 10 लोगों की मौत, 3 गंभीर

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर-खीरी के ईशानगर थाना क्षेत्र के उंचा गांव के पास सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में 09 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक की मौत अस्पताल ले जाते समय हुई। इस हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। सूत्रों के मुताबिक सोमवार सुबह सवारियों से भरी एक मैजिक गाड़ी लखीमपुर से सिसैया जा रही थी। गाड़ी उंचा गांव के पास पहुंची ही थी कि बहराइच की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मैजिक गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। जानकारी के मुताबिक हादसा होते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। आस-पास के खेतों में काम कर रहे लोग और ग्रामीण मदद के लिए दौड़े। लोगों ने गाड़ी में फंसे लोगों को बाहर निकालने की कोशिश शुरू की, लेकिन तब तक आठ लोग दम तोड़ चुके थे। सूचना मिलते ही ईशानगर थाने की पुलिस बल मौके पर पहुंचा और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ट्रक को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है। इस हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जमानत नियम है, जेल अपवाद

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूएपीए (गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) के मामलों में जमानत को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि "जमानत नियम है और जेल अपवाद।" अदालत ने 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े मामलों में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत न दिए जाने पर भी अप्रत्यक्ष रूप से सवाल उठाए हैं। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यूएपीए जैसे कठोर कानूनों के मामलों में भी आरोपी के त्वरित सुनवाई के अधिकार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि लंबी अवधि तक मुकदमे का लंबित रहना जमानत देने का आधार बन सकता है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट एक ऐसे मामले की सुनवाई कर रहा था, जिसमें आरोपी पर जम्मू-कश्मीर में कथित तौर पर नशीले पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद को फंडिंग करने वाले सीमा-पार सिंडिकेट से जुड़े होने का आरोप है। इसी दौरान अदालत ने व्यापक टिप्पणी करते हुए कहा कि कठोर कानून लागू होने मात्र से किसी व्यक्ति के संवैधानिक अधिकार समाप्त नहीं हो जाते। पीठ ने जनवरी में सुप्रीम कोर्ट की एक अन्य दो-न्यायाधीशों वाली बेंच के फैसले के कुछ पहलुओं पर भी आपत्ति जताई।

ब्रिक्स अधिकारियों, न्याय मंत्रियों की बैठक 19-22 मई तक गांधीनगर में

एजेंसी। नई दिल्ली

Ministry of Law and Justice

भारत ब्रिक्स न्याय मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता के तहत 19-22 मई के बीच कानूनी सुधारों और विवादों के त्वरित निपटारे की दिशा में एक बड़ी पहल करेगा। इस आयोजन की शुरुआत गुजरात के गांधीनगर में ब्रिक्स के वरिष्ठ अधिकारियों और न्याय मंत्रियों की बैठक से होगी। विधि एवं न्याय मंत्रालय के अनुसार विधि मामलों का विभाग इस बैठक की मेजबानी करेगा। इसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में मुख्य रूप से संस्थागत मध्यस्थता, मध्यस्थता सुधारों और वाणिज्यिक व सार्वजनिक क्षेत्र के विवादों में वैकल्पिक विवाद समाधान की भूमिका पर गहन चर्चा होगी। इसके अलावा अदालतों में लंबित मामलों को कम करने और कम लागत में समय पर न्याय दिलाने वाले सुधारों की भी समीक्षा की जाएगी। इसके बाद 21-22 मई को ब्रिक्स देशों के न्याय मंत्रियों का महाकुंभ आयोजित होगा। इस मंत्रिस्तरीय मंच पर ब्रिक्स देशों के बीच एडीआर आधारित सहयोग बढ़ाने के लिए एक 'संयुक्त वक्तव्य' अपनाया जाएगा। इसके तहत ट्रेनिंग प्रोग्राम, आदर्श नियम और डिजिटल विवाद समाधान मंच तैयार करने जैसी ठोस प्रतिबद्धताएं तय की जाएंगी। इस चार दिवसीय बैठक का मुख्य उद्देश्य "मध्यस्थता और मध्यस्थता में क्षमता निर्माण के माध्यम से वैकल्पिक विवाद समाधान को मजबूत करना" है। इसके तहत कई बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इनमें ब्रिक्स देशों के बीच नीतिगत दृष्टिकोणों और संस्थागत अनुभवों को साझा करना, मध्यस्थों, न्यायाधीशों, सरकारी कानूनी अधिकारियों तथा कानूनी पेशेवरों के लिए संयुक्त कार्यशालाएं और ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित करना, डिजिटल तकनीक का उपयोग और कानूनी अनुसंधान करना शामिल है।

कांगो-युगांडा में इबोला संकट गहराया, डब्ल्यूएचओ ने घोषित किया वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल

एजेंसी। नई दिल्ली

World Health Organization

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कांगो और युगांडा में बंडीबुग्यो वायरस से फैले इबोला संक्रमण को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) घोषित किया है। हालांकि संस्था ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल इसे वैश्विक महामारी घोषित नहीं किया गया है। डब्ल्यूएचओ की ओर से जारी बयान के अनुसार, 16 मई तक कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के इटुरी प्रांत के बुनिया, रवाम्पारा और मोंगब्वालू क्षेत्रों में इबोला के आठ मामलों की पुष्टि हुई है। इसके अलावा 246 संदिग्ध मामले सामने आए हैं, जबकि 80 संदिग्ध मौतें दर्ज की गई हैं। वहीं, युगांडा की राजधानी कंपाला में पिछले 24 घंटे के दौरान दो नए मामले सामने आए हैं, जिनमें से एक संक्रमित मरीज की मौत हो गई। दोनों संक्रमित हाल ही में कांगो से यात्रा कर लौटे थे। डब्ल्यूएचओ ने चिंता जताई है कि बंडीबुग्यो वायरस के लिए फिलहाल कोई स्वीकृत इलाज या वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। संस्था के अनुसार प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्यकर्मियों की मौत, सुरक्षा संबंधी चुनौतियां और बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही संक्रमण के तेजी से फैलने का खतरा बढ़ा रही है। स्थिति को देखते हुए डब्ल्यूएचओ ने कांगो, युगांडा और पड़ोसी देशों के लिए कई अहम दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इनमें राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन तंत्र को सक्रिय करना, आपातकालीन संचालन केंद्र स्थापित करना, संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की पहचान करना और जांच प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ाना शामिल है। साथ ही संस्था ने निर्देश दिया है कि पुष्ट संक्रमितों को पूरी तरह स्वस्थ होने और दो नेगेटिव टेस्ट आने तक यात्रा की अनुमति न दी जाए। संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों को 21 दिनों तक अंतरराष्ट्रीय यात्रा से रोकने, हवाई अड्डों और सीमा चौकियों पर बुखार की जांच अनिवार्य करने तथा मृतकों का अंतिम संस्कार सुरक्षित प्रोटोकॉल के तहत प्रशिक्षित कर्मियों द्वारा कराने की सलाह दी गई है। डब्ल्यूएचओ ने स्पष्ट किया कि अभी यह स्थिति अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम (2005) के तहत महामारी घोषित किए जाने के मानदंडों को पूरी तरह पूरा नहीं करती है। संस्था ने देशों से अपील की है कि वे फिलहाल अपनी सीमाएं बंद न करें और न ही यात्रा या व्यापार पर प्रतिबंध लगाएं।

लातूर में कोचिंग संचालक गिरफ्तार अब तक 10 की गिरफ्तारी

लातूर। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में कथित पेपर लीक मामले की जाँच में जुटी केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) ने अपनी कार्रवाई तेज कर सोमवार को महाराष्ट्र के लातूर से एक बड़े कोचिंग सेंटर के निदेशक शिवराज मोटेगांवकर को गिरफ्तार किया। इस गिरफ्तारी के साथ ही हाई-प्रोफाइल मामले में अब तक कुल 10 आरोपी सलाखों के पीछे पहुँच चुके हैं। सीबीआई को संदेह है कि मोटेगांवकर के कोचिंग सेंटर रेणुकाई कैमिस्ट्री क्लासेस (आरसीसी) के माध्यम से नीट के प्रश्नपत्र लीक किए गए थे और छात्रों व स्थानीय डॉक्टरों तक पहुँचाया गया। बात दें कि मोटेगांवकर, जो लातूर सहित सात जिलों में रेणुकाई कैमिस्ट्री क्लासेस (आरसीसी) नामक कोचिंग सेंटर चलाता है, से पहले 15 मई को उसके घर पर आठ घंटे तक पूछताछ की गई थी। इसके बाद रविवार को सीबीआई ने आरसीसी के मुख्य कार्यालय पर छापा मारकर कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

बैंक धोखाधड़ी मामले में दीपक सिंगला गिरफ्तार, केजरीवाल ने बताया राजनीतिक प्रतिशोध

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आम आदमी पार्टी के नेता दीपक सिंगला को 100 करोड़ रुपये से अधिक के बैंक धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई महेश टिंबर प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े वित्तीय घोटाले की जांच के दौरान की गई।आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि दीपक सिंगला को इसलिए गिरफ्तार नहीं किया गया कि उसने कोई गलत काम किया है, बल्कि इसलिए गिरफ्तार किया गया, क्योंकि वह भाजपा के खिलाफ काम कर रहा था और उसने भाजपा में शामिल होने से मना कर दिया। दीपक बहादुर है और देश के लिए लड़ रहा है। ईडी की टीम ने सोमवार सुबह दिल्ली और गोवा में सात अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान मिले सबूतों के आधार पर सिंगला को हिरासत में लिया गया। इस मामले के तार पहले से ही गिरफ्तार पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा से भी जुड़े बताए जा रहे हैं।

राजघाट सिग्नल पर डीटीसी बस के ब्रेक फेल, ड्राइवर की सूझबूझ से टला हादसा

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। मध्य जिले के आईपी एस्टेट इलाके में सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा उस समय टल गया, जब राजघाट ट्रैफिक सिग्नल के पास एक डीटीसी बस के ब्रेक अचानक जवाब दे गए। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए चालक ने सूझबूझ दिखाकर बस को सड़क के डिवाइडर पर चढ़ा दिया, जिससे बस रुक गई और बड़ा हादसा होने से बच गया। राहत की बात यह रही कि बस खाली थी और उसमें कोई यात्री सवार नहीं था। पुलिस के मुताबिक घटना की सूचना पीसीआर कॉल के जरिए आईपी एस्टेट थाने को मिली थी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। शुरुआती जांच में पता चला कि डीटीसी बस सराय काले खां से राजघाट की ओर जा रही थी। इसी दौरान बस में ब्रेक से जुड़ी तकनीकी खराबी आ गई।पुलिस के मुताबिक जब बस राजघाट ट्रैफिक सिग्नल के पास पहुंची तो चालक को महसूस हुआ कि ब्रेक ठीक तरह से काम नहीं कर रहे हैं। ऐसे में किसी बड़े हादसे से बचने के लिए चालक ने तुरंत बस को डिवाइडर की ओर मोड़ दिया। बस डिवाइडर से टकराकर रुक गई और नियंत्रण में आ गई। घटना के समय बस में केवल चालक और परिचालक मौजूद थे। दोनों पूरी तरह सुरक्षित हैं। हादसे में किसी के घायल होने या किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है। हालांकि घटना के बाद कुछ समय के लिए इलाके में यातायात प्रभावित रहा।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का दिया नोटिस

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ राज्यसभा में विशेषाधिकार हनन का नोटिस दाखिल किया है। यह नोटिस राज्यसभा की कार्यवाही एवं कार्य संचालन नियमावली के नियम 187 के तहत राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन को सौंपा गया है। कांग्रेस नेता ने अपने नोटिस में आरोप लगाया है कि 15 मई को आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान शिक्षा मंत्री ने एनईईटी-यूजी पेपर लीक मामले पर संसदीय स्थायी समिति की सिफारिशों को लेकर टिप्पणी करने से इनकार किया और समिति की बहुदलीय प्रकृति पर सवाल उठाए। जयराम रमेश के अनुसार, मंत्री की यह टिप्पणी संसद और उसकी समितियों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली है। नोटिस में कहा गया है कि संसदीय समितियों को संसद का विस्तार माना जाता है और इन्हें "मिनी संसद" भी कहा जाता है। ऐसे में किसी समिति के प्रति अपमानजनक या अवमाननापूर्ण टिप्पणी को सदन की अवमानना माना जा सकता है। रमेश ने आरोप लगाया कि शिक्षा मंत्री ने जानबूझकर समिति की प्रतिष्ठा को कमतर दिखाने का प्रयास किया। कांग्रेस सांसद ने इसे संसदीय विशेषाधिकार का गंभीर उल्लंघन बताते हुए सभापति से आग्रह किया है कि इस मामले में धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही शुरू की जाए। गौरतलब है कि हाल के दिनों में एनईईटी-यूजी पेपर लीक मामले को लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय पर हमलावर रहा है।

दिल्ली सचिवालय में सिक्किम दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दी शुभकामनाएं

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली सचिवालय में सोमवार को सिक्किम दिवस के परिप्रेक्ष्य में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रदेश एवं देशवासियों को सिक्किम दिवस की शुभकामनाएं दीं। आयोजन में सिक्किम के लोक नृत्य सिंघी छाम, खम्पा, तामांग सेलो, मास्क डांस की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों को मन्त्रमुग्ध किया। नृत्य के जरिये प्रकृति एवं देवताओं की आराधना की गई। गीत-संगीत के इस आयोजन में 10 कलाकारों ने शानदार प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिक्किम प्राकृतिक सौंदर्य, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत उदाहरण है। हिमालय की गोद में स्थित यह राज्य जैविक खेती को पूर्ण रूप से अपनाने वाला भारत का पहला पूर्ण ऑर्गेनिक राज्य है, जिसने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में पूरे देश को नई दिशा दी है। सिक्किम ने सदैव शांति, विकास और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा, पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण, जैविक कृषि तथा राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सिक्किम का योगदान अत्यंत प्रेरणादायक है। दिल्ली सचिवालय में आयोजित इस कार्यक्रम में सिक्किम की लोक संस्कृति, परंपराओं और विकास यात्रा को प्रदर्शित किया गया। उपस्थित लोगों ने सिक्किम की सांस्कृतिक झलकियों और राष्ट्रीय योगदान की सराहना की। कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' संकल्प की दिशा में दिल्ली सरकार सभी राज्यों के स्थापना दिवस व त्योहारों का आयोजन कर रही है। आयोजनों से देश की विविध सांस्कृतिक पहचान को प्रोत्साहन मिल रहा है और इससे नई पीढ़ी अवगत हो रही है। कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग की ओर से साहित्य कला परिषद ने कार्यक्रम का आयोजन किया। आयोजन में बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए इंजीनियर राशिद को अंतरिम जमानत

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय की जस्टिस प्रतिभा सिंह की पीठ ने टेरर फंडिंग मामले में सांसद इंजीनियर रशीद को अपने बीमार पिता के अंतिम संस्कार में हिस्सा लेने के लिए 2 जून तक अंतरिम जमानत दे दी है। इंजीनियर रशीद के पिता की सोमवार सुबह एम्स अस्पताल में मौत हो गई थी। अंतरिम जमानत का आदेश देते हुए उच्च न्यायालय ने कड़ी शर्तें लगाई हैं। उच्च न्यायालय ने कहा है कि अंतरिम जमानत के दौरान इंजीनियर रशीद के साथ दो सुरक्षाकर्मी सादी वर्दी में हमेशा तैनात रहेंगे। दोनों सुरक्षाकर्मी रशीद के जेल से निकलने से लेकर श्रीनगर जाने तक और श्रीनगर से दिल्ली लौटने तक साथ रहेंगे। कोर्ट ने कहा कि अंतरिम जमानत के दौरान इंजीनियर रशीद को कब्रिस्तान और हर उस स्थान पर जाने की अनुमति होगी, जहां जाना अंतिम संस्कारों के लिए रिवाजों के मुताबिक होगा।कोर्ट ने कहा कि अंतरिम जमानत के दौरान इंजीनियर रशीद को अपने परिवार के सदस्यों के अलावा किसी और से मुलाकात दो सुरक्षाकर्मियों की उपस्थिति में करनी होगी। इसके साथ ही कोर्ट ने रशीद को केवल एक मोबाइल फोन नंबर का उपयोग करने की अनुमति दी।

सीएम रेखा समेत मंत्रियों ने मेट्रो व बस से सफर करके दिया ईंधन बचत का संदेश

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को 'मेरा भारत, मेरा योगदान' जन-अभियान के अंतर्गत शुरू की गई 'मेट्रो मंडे' पहल में भाग लेते हुए सार्वजनिक परिवहन, ईंधन संरक्षण और जिम्मेदार नागरिक भागीदारी का संदेश दिया। मुख्यमंत्री की अपील पर दिल्ली सरकार के सभी मंत्रियों व सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपने कार्यालय पहुंचने के लिए मेट्रो रेल व दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बसों का उपयोग किया।मुख्यमंत्री ने अपने दिन की शुरुआत जनभागीदारी के संदेश के साथ की। वह अपने आवास से लोक निवास में उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के लिए पैदल पहुंचीं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने इलेक्ट्रिक कार के माध्यम से कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन तक यात्रा की और वहां से आईटीओ मेट्रो स्टेशन तक दिल्ली मेट्रो सेवा का उपयोग किया। आईटीओ मेट्रो स्टेशन पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री ने अपने कार्यालय दिल्ली सचिवालय तक जाने के लिए फीडर बस सेवा का उपयोग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज भी मौजूद रहे।मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मेरा भारत, मेरा योगदान' अभियान केवल सरकारी पहल नहीं, बल्कि जनभागीदारी का आंदोलन है। इसका उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को यह संदेश देना है कि राष्ट्रहित में किया गया छोटा-सा प्रयास भी देश की ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक संतुलन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन बचत, सार्वजनिक परिवहन के उपयोग और जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने की जो अपील की गई है, दिल्ली सरकार उसे जन-अभियान के रूप में आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि 'मेट्रो मंडे' उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से लोगों को सप्ताह में कम-से-कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करते हुए सरकारी स्तर पर भी कई बड़े कदम उठा रही है। इनमें सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था, सरकारी वाहनों के उपयोग में कटौती, ऑनलाइन बैठकों को बढ़ावा तथा सार्वजनिक परिवहन के अधिकतम उपयोग जैसी पहल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मेट्रो-डीटीसी बसों का अधिक उपयोग न केवल ईंधन की बचत करेगा, बल्कि ट्रैफिक जाम और प्रदूषण को कम करने में भी प्रभावी भूमिका निभाएगा। दिल्ली सरकार का उद्देश्य राजधानी को अधिक स्वच्छ, सुगम और पर्यावरण-अनुकूल बनाना है।मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों से अपील की कि सभी नागरिक यथासंभव सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग करें। इससे न केवल देश के लिए ईंधन की बचत होगी, बल्कि दिल्ली में प्रदूषण और ट्रैफिक जाम जैसी समस्याओं को कम करने में भी बड़ी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि लोग अपनी दिनचर्या में मेट्रो, डीटीसी बसों और अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों को शामिल करना शुरू करें, तो राजधानी को अधिक स्वच्छ, सुगम और पर्यावरण-अनुकूल बनाया जा सकता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा लास्ट माइल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है, ताकि लोगों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि 'मेट्रो मंडे' के अंतर्गत दिल्ली सरकार के मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों ने भी सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर लोगों को प्रेरित करने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप विकसित दिल्ली का लक्ष्य अवश्य हासिल किया जाएगा। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने मेट्रो से उत्तम नगर ईस्ट से आरके आश्रम मार्ग मेट्रो स्टेशन यात्रा की। इस दौरान उन्होंने ईंधन बचाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन अपनाने की जनता से अपील की।दिल्ली के श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने 'मेट्रो मंडे' के तहत सोमवार को दिल्ली सचिवालय आने के लिए मेट्रो और मेट्रो फीडर बस से सफर किया। उन्होंने मेट्रो एवं फीडर बस में यात्रा के दौरान सह यात्रियों से आग्रह किया कि प्रधानमंत्री द्वारा ऊर्जा संरक्षण, ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण को लेकर दिए गए संदेश को जन-आंदोलन बनाने में सहयोग करें और अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। कपिल मिश्रा ने कहा कि मेट्रो, फीडर बस, कार पूलिंग, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा जैसे कदम दिल्ली की यातायात व्यवस्था को सशक्त बनाने, प्रदूषण कम करने और ईंधन की बचत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने 'मेट्रो मंडे' को दिल्ली सरकार के जनभागीदारी से जुड़े एक सकारात्मक अभियान के रूप में बताते हुए कहा कि सार्वजनिक परिवहन के अधिक उपयोग से ईंधन की बचत, ट्रैफिक नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

डॉ. कल्याणी सिंह की पहल लाई रंगः मोहंड में नेटवर्क बहाल, महिलाओं व यात्रियों की सुरक्षा को मिली नई मजबूती

लोकतंत्र की शान

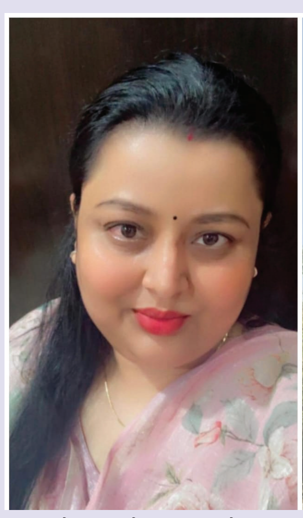

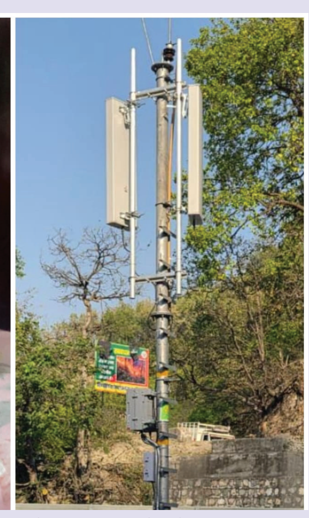

देहरादून। लंबे समय से देहरादून–दिल्ली मार्ग के मोहंड क्षेत्र में बनी हुई मोबाइल नेटवर्क की गंभीर समस्या अब पूरी तरह समाप्त हो गई है। इस महत्वपूर्ण बदलाव के पीछे डॉ. कल्याणी सिंह, राष्ट्रीय महासचिव (महिला प्रकोष्ठ), मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन, की सक्रिय पहल और निरंतर प्रयासों की अहम भूमिका रही है। डॉ. सिंह द्वारा संबंधित विभागों को लिखे गए पत्र के बाद दूरसंचार विभाग (DoT) ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मोहंड क्षेत्र में मोबाइल टावर स्थापित किया, जिससे अब वहां नेटवर्क सुविधा सुचारु रूप से उपलब्ध हो गई है। पहले जहां ट्रेन यात्रा और सड़क (रोड) यात्रा के दौरान नेटवर्क न होने के कारण यात्रियों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता था, वहीं अब इस समस्या का पूर्ण समाधान हो गया है। यात्रा के दौरान संपर्क न हो पाने से आपातकालीन स्थिति में मदद लेना कठिन हो जाता था, लेकिन अब निर्बाध नेटवर्क से यह समस्या दूर हो गई है। गौरतलब है कि जब तक इस क्षेत्र में नेटवर्क सुविधा उपलब्ध नहीं थी, तब तक डॉ. कल्याणी सिंह की पहल पर पुलिस द्वारा हर 2 घंटे में इस मार्ग पर नियमित गश्त (पेट्रोलिंग) की जाती थी, ताकि किसी भी आपात स्थिति में यात्रियों को समय रहते सहायता प्रदान की जा सके। यह व्यवस्था विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और अन्य यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गई थी। अब नेटवर्क सुविधा शुरू होने के बाद सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सशक्त हो गई है, जिससे यात्रियों को और अधिक भरोसा एवं सुविधा मिल रही है। इस पहल से न केवल स्थानीय लोगों को राहत मिली है, बल्कि इस मार्ग से गुजरने वाले हजारों यात्रियों को भी बड़ी सुविधा मिली है। विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों एवं अन्य संवेदनशील वर्गों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में जनहित से जुड़े मुद्दों पर तेजी से निर्णय और कार्यवाही की जा रही है। मोहंड क्षेत्र में नेटवर्क समस्या का समाधान इसी प्रतिबद्धता का एक सशक्त उदाहरण है। डॉ. कल्याणी सिंह ने इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री श्री धामी एवं दूरसंचार विभाग के अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल आम जनता की सुविधा के साथ-साथ सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

वकील से कथित दुर्व्यवहार मामले में रोहिणी कोर्ट के जज का ट्रांसफर

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने रोहिणी कोर्ट में वकील के साथ कथित दुर्व्यवहार करने वाले जज का ट्रांसफर कर दिया है। उच्च न्यायालय के नोटिफिकेशन के मुताबिक जज राकेश कुमार पंचम को दिल्ली जुडिशियल एकेडमी के डायरेक्टर के साथ अटैच कर दिया गया है।सोमवार को जज राकेश कुमार पंचम के कथित दुर्व्यवहार के खिलाफ दिल्ली में वकीलों ने हड़ताल कर रखी है। करीब सभी जिला अदालतों में किसी भी वकील को कोर्ट रुम में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। इस हड़ताल का आह्वान ऑल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट्स बार एसोसिएशंस ऑफ दिल्ली की को-आर्डिनेशन कमेटी ने किया है।दरअसल, 16 मई को रोहिणी कोर्ट में जज राकेश कुमार पंचम की कोर्ट में एक मामले में सुनवाई के दौरान रोहिणी कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव कुमार तेहलान ने पास ओवर (मामले को बाद में सुनने का आग्रह) किया। जज ने इस अनुरोध को ठुकरा दिया, जिसके बाद कुछ और वकील भी आ गए और जज और वकीलों के

बीच तेज बहस होने लगी। हालात इतने बिगड़ गए कि वकील समुदाय ने इसे घोर न्यायिक कदाचार बताते हुए आरोप लगाया कि जज ने गंदी गालियों और अपमानजनक तू-तड़ाक वाली भाषा का इस्तेमाल किया। वकीलों ने पूरे मामले की औपचारिक शिकायत दिल्ली उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस के पास दर्ज कराई। शिकायत के मुताबिक जब वकीलों ने जज के अस्थिर शारीरिक व्यवहार और चेहरे पर लाली को देखा तो बार अध्यक्ष ने जज की तत्काल मेडिकल जांच की मांग की।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने लातूर के कोचिंग संस्थान मालिक को किया गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली, 18 मई (हि.स.)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में सीबीआई ने लातूर के आरसीसी कोचिंग इंस्टीट्यूट के मालिक प्रोफेसर शिवराज मोटेगांवकर को गिरफ्तार किया है। यह संस्थान नीट की तैयारी कराने वाला बड़ा नेटवर्क है, जिसकी नौ शाखाएं हैं। सीबीआई ने बताया कि तलाशी के दौरान मोटेगांवकर के संस्थान और घर से रसायन शास्त्र का प्रश्न बैंक मिला, जिसमें वही सवाल थे जो 3 मई को हुई परीक्षा में पूछे गए थे। एजेंसी ने पिछले 24 घंटों में पांच जगहों पर छापेमारी कर कई दस्तावेज, लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। एजेंसी ने बताया कि मामला 12 मई को दर्ज किया गया था, जब शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग ने प्रश्नपत्र लीक की

शिकायत दी थी। अब तक दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे, लातूर और अहमदनगर से कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। नौ आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस हिरासत में भेजा गया है, जबकि दसवें आरोपी को अदालत में पेश किया जा रहा है। जांच में सामने आया है कि रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान के प्रश्न परीक्षा से पहले ही लीक कराए गए थे और बिचौलियों ने छात्रों से लाखों रुपये लेकर विशेष कोचिंग सत्रों में वही प्रश्न पढ़ाए। सीबीआई ने कहा है कि वह इस मामले की निष्पक्ष जांच जारी है।

केजरीवाल समेत पांच के खिलाफ अवमानना कार्यवाही पर दिल्ली हाईकोर्ट में कल होगी सुनवाई

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत पांच आरोपितों के खिलाफ शुरू अवमानना की कार्यवाही पर दिल्ली उच्च न्यायालय (हाईकोर्ट) कल सुनवाई करेगा। जस्टिस नवीन चावला की अध्यक्षता वाली बेंच इस मामले पर सुनवाई करेगी। इससे पहले 14 मई को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने की बेंच ने केजरीवाल के अलावा संजय सिंह, मनीष सिसोदिया, सौरभ भारद्वाज और दुर्गेश पाठक को अवमानना का नोटिस जारी किया था।जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने इस मामले की सुनवाई से खुद को अलग करते हुए दूसरी बेंच के पास सुनवाई के लिए भेजा था। बेंच ने कहा था कि अगर इन आरोपितों पर कार्रवाई नहीं हुई तो अराजकता फैलेगी। जस्टिस शर्मा ने कहा कि जब संस्था को ट्रायल पर रखा जाता है तो ये जज का कर्तव्य है कि वो इन आरोपों से संचालित न हो। उन्होंने कहा था कि कोर्ट को ये पता चला कि पत्र और वीडियो के जरिये सोशल मीडिया कैंपेन चलाया गया जो काफी सर्कुलेट हुआ। यह

एक सुनियोजित और संगठित कैंपेन था। जस्टिस शर्मा ने कहा था कि कोर्ट के अंदर हुई कार्यवाही को कोर्ट के बाहर एक समानांतर नैरेटिव चलाया गया। जस्टिस शर्मा ने कहा था कि उन्हें निष्पक्ष आलोचना और असहमति को स्वीकार करने का प्रशिक्षण मिला है। सोशल मीडिया पर कैंपेन के जरिये न केवल किसी एक जज के खिलाफ नैरेटिव बनाया गया बल्कि ये पूरी न्यायपालिका को कटघरे में खड़ा किया गया। नैरेटिव चलाने वाले कुछ लोगों को राजनीतिक शक्ति भी हासिल है। संपादित वीडियो सर्कुलेट किया गया। जस्टिस शर्मा ने कहा था कि जब मैंने अपना फैसला सुनाया तो उनके पास उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट जाने) का विकल्प था। उन्होंने ऐसा नहीं किया बल्कि वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ कैंपेन चलाया। जस्टिस शर्मा ने कहा था कि उनकी ड्यूटी संविधान के प्रति है। जब उन्होंने ये रास्ता चुना तो हमने भी दूसरा रास्ता चुना। उन्होंने कहा था कि कोर्ट के अंदर केजरीवाल ने कहा कि वे कोर्ट का सम्मान करते हैं लेकिन बाहर उन्होंने हमारे खिलाफ अभियान चलाया। सनद रहे कि 20 अप्रैल को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने दिल्ली आबकारी मामले में बरी करने के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई से हटने की अरविंद केजरीवाल की मांग को खारिज कर दिया था।जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा था कि मैं इस आरोप से प्रभावित हुए बिना ही अपना फैसला सुनाऊंगी, ठीक वैसे ही जैसा कि उन्होंने अपने 34 वर्ष के न्यायिक करियर में हमेशा किया है। उल्लेखनीय है कि केजरीवाल समेत 23 आरोपितों को बरी करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर भी भी उच्च न्यायालय के जस्टिस मनोज जैन कल सुनवाई करेंगे।

पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार को घेरा, खरगे बोले-चुनाव खत्म होते ही महंगाई बढ़ाई

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और औद्योगिक गैस सिलेंडरों की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विधानसभा चुनाव से पहले महंगाई से जुड़े फैसलों को छिपाकर रखा और चुनाव खत्म होते ही ईंधन एवं गैस की कीमतें बढ़ा दीं। मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि यदि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले पेट्रोल-डीजल और अन्य जरूरी वस्तुओं की कीमतें बढ़ा दी जातीं, तो इसका राजनीतिक नुकसान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उठाना पड़ता। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने चुनाव तक इन मुद्दों को जनता से छिपाकर रखा, लेकिन चुनाव समाप्त होते ही कीमतों में बढ़ोतरी कर दी गई।कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र पर दूरदर्शिता की कमी का आरोप लगाते हुए कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को आवश्यक वस्तुएं खरीदने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को देशभर में जोरदार तरीके से उठाएगी। वीडियो में पत्रकारों से बातचीत करते हुए खरगे ने कहा कि सरकार ने चुनाव से पहले पेट्रोल-डीजल और गैस की कीमतों को नियंत्रित रखा, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद अचानक कीमतें बढ़ा दी गईं। इससे साफ जाहिर होता है कि सरकार आम जनता की परेशानियों को लेकर गंभीर नहीं है। उल्लेखनीय है कि इसी महीने पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और औद्योगिक सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। 17 मई को दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमत में एक रुपये प्रति किलो की वृद्धि की गई, जिसके बाद दिल्ली में सीएनजी की कीमत 79.09 रुपये से बढ़कर 80.09 रुपये प्रति किलो हो गई। इससे पहले 15 मई को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन-तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये से बढ़कर 97.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.67 रुपये से बढ़कर 90.67 रुपये प्रति लीटर हो गया। वहीं मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे महानगरों में भी 2.8 से 3.3 रुपये तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसके अलावा 1 मई को 19 किलो वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भी भारी बढ़ोतरी की गई थी। दिल्ली में इसकी कीमत 2,078.50 रुपये से बढ़ाकर 3,071.50 रुपये प्रति सिलेंडर कर दी गई।

संक्षिप्त समाचार

इनर व्हील क्लब हसनपुर "आस्था" ने रिक्शा चालकों को अंगोछे बाटे, गन्ने का जूस भी पिलवाया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः सोमवार को नगर की समाजसेवी संस्था इनर व्हील क्लब हसनपुर "आस्था" द्वारा भीषण गर्मी के चलते मेहनत मजदूरी करने वाले रिक्शा चालकों को गर्मी से कुछ राहत पाने के लिए अंगोछो का वितरण किया, साथ ही राहगीरों को गर्मी से राहत दिलाते हुए गन्ने का जूस पिलाया गया, इस समाज सेवा के कार्य को लेकर संस्था की प्रशंसा हो रही है, बता ते चले कि इनर वहीं क्लब हसनपुर आस्था समय-समय पर विभिन्न समाज सेवा के कार्य बढ़ चढ़ कर करती रहती है इसी क्रम में क्लब सभी मेंबरों द्वारा संयुक्त रूप से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया, वही रिक्शा चालको ने संस्था का धन्यवाद अर्पित किया, इस मौके पर इनर व्हील क्लब हसनपुर आस्था की अध्यक्षा रितु अग्रवाल, सचिव खुशबू गुप्ता, उपाध्यक्ष पारुल अग्रवाल, ट्रेजर नीलिमा गोयल, अंशु अग्रवाल, मेघा अग्रवाल, सविता चावला, मनीष अग्रवाल, मीनाक्षी सक्सेना आदि क्लब मेंबर मौजूद रही।

इनर व्हील क्लब हसनपुर "आस्था" ने रिक्शा चालकों को अंगोछे बाटे, गन्ने का जूस भी पिलवाया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः सोमवार को नगर की समाजसेवी संस्था इनर व्हील क्लब हसनपुर "आस्था" द्वारा भीषण गर्मी के चलते मेहनत मजदूरी करने वाले रिक्शा चालकों को गर्मी से कुछ राहत पाने के लिए अंगोछो का वितरण किया, साथ ही राहगीरों को गर्मी से राहत दिलाते हुए गन्ने का जूस पिलाया गया, इस समाज सेवा के कार्य को लेकर संस्था की प्रशंसा हो रही है, बता ते चले कि इनर वहीं क्लब हसनपुर आस्था समय-समय पर विभिन्न समाज सेवा के कार्य बढ़ चढ़ कर करती रहती है इसी क्रम में क्लब सभी मेंबरों द्वारा संयुक्त रूप से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया, वही रिक्शा चालको ने संस्था का धन्यवाद अर्पित किया, इस मौके पर इनर व्हील क्लब हसनपुर आस्था की अध्यक्षा रितु अग्रवाल, सचिव खुशबू गुप्ता, उपाध्यक्ष पारुल अग्रवाल, ट्रेजर नीलिमा गोयल, अंशु अग्रवाल, मेघा अग्रवाल, सविता चावला, मनीष अग्रवाल, मीनाक्षी सक्सेना आदि क्लब मेंबर मौजूद रही।

नजीबाबाद में Blinkit स्टोर के विरोध में व्यापारियों का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद , नजीबाबाद में व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के बैनर तले शहर के व्यापारियों ने ऑनलाइन डिलीवरी कंपनी Blinkit के प्रस्तावित स्टोर का विरोध करते हुए तहसील परिसर पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों का कहना है कि यदि शहर में Blinkit का स्टोर खुलता है तो इसका सीधा असर छोटे और खुदरा व्यापारियों के कारोबार पर पड़ेगा। ऑनलाइन सामान घर-घर पहुंचने से ग्राहक बाजारों और दुकानों पर आना कम कर देंगे, जिससे स्थानीय व्यापार पूरी तरह प्रभावित हो सकता है। व्यापारी नेताओं ने कहा कि नजीबाबाद जैसे शहर में हजारों परिवार छोटे कारोबार और दुकानों पर निर्भर हैं। Blinkit जैसी ऑनलाइन कंपनियों के आने से छोटे दुकानदार आर्थिक संकट में आ जाएंगे और शहर का पारंपरिक व्यापार चौपट हो सकता है। इसी मांग को लेकर व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के पदाधिकारी, कारोबारी और बड़ी संख्या में छोटे व्यापारी तहसील परिसर पहुंचे और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर नजीबाबाद में Blinkit का स्टोर खोले जाने पर रोक लगाने की मांग की। इस दौरान व्यापारियों ने स्थानीय व्यापार बचाने और छोटे दुकानदारों के हितों की रक्षा करने की अपील भी की।

नमाज पढ़नी है तो शिफ्ट में पढ़िए, लेकिन सड़क पर नहींः मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की बदली तस्वीर का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछली सरकारों में यह राज्य कट्टा-बम, दंगे और माफिया संस्कृति के लिए जाना जाता था, जबकि आज यूपी की पहचान ब्रह्मोस मिसाइल, डिफेंस कॉरिडोर, एक्सप्रेस-वे, इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स और निवेश डेस्टिनेशन के रूप में है। कानून व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर और सकारात्मक शासन की बदौलत प्रदेश बॉटम-2 से निकलकर टॉप-2 राज्यों में पहुंचा है। राज्य में अराजकता व अव्यवस्था पर जीरो टॉलरेंस है। राह चलती बेटी से छेड़खानी करने वाले की रावण व दुर्योधन जैसी दुर्गति होगी। सड़क पर नमाज पढ़ने के मुद्दे पर उन्होंने दो टूक कहा कि नमाज पढ़नी है तो शिफ्ट में पढ़िए, हम रोकेंगे नहीं, लेकिन सड़क पर इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती। मौजूदा दौर में पत्रकारिता पर अपने विचार रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सनसनी व फेक न्यूज समाज में अराजकता फैलाती हैं, जबकि सकारात्मक और संवेदनशील पत्रकारिता लोकतंत्र को मजबूत करती है। सीएम योगी सोमवार को 'अमर उजाला' के 78वें स्थापना दिवस पर आयोजित संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

डीएम अविनाश सिंह फिर बने मिसाल सरकारी गाड़ी छोड़ ई-बस से पहुंचे दफ्तर

» बोले- "सफर में गाने सुनता हूं, बोरियत नहीं होती", अफसरों और जनता को दिया ग्रीन ट्रांसपोर्ट का संदेश

लोकतंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) बरेली में सरकारी अफसरों के लंबे काफिले, लालबत्ती संस्कृति और सरकारी वाहनों के बढ़ते इस्तेमाल के बीच जिलाधिकारी अविनाश सिंह एक बार फिर अपनी अलग कार्यशैली को लेकर चर्चा में हैं। सोमवार सुबह डीएम अविनाश सिंह ने सरकारी गाड़ी का उपयोग करने के बजाय ई-बस से सफर कर एक बार फिर यह संदेश दिया कि बदलाव की शुरुआत शीर्ष स्तर से ही होती है। सुबह सिविल लाइंस स्थित कैंप कार्यालय से निकलकर उन्होंने आम यात्रियों की तरह ई-बस पकड़ी और मंडलायुक्त कार्यालय पहुंचे, जहां मंडलीय बैठक में हिस्सा लिया। बैठक समाप्त होने के बाद उन्होंने कलेक्ट्रेट तक का सफर भी ई-बस से ही किया। डीएम का यह साधारण लेकिन प्रभावशाली अंदाज पूरे दिन शहर में चर्चा का विषय बना रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक,

ई-बस में यात्रा के दौरान डीएम पूरी तरह सहज दिखाई दिए। उन्होंने यात्रियों से सामान्य बातचीत भी की और सफर का आनंद लेते नजर आए। प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच भी उनके इस व्यवहार की खूब चर्चा रही। आमतौर पर जिले के शीर्ष अधिकारी भारी सुरक्षा और सरकारी वाहनों के काफिले के साथ चलते हैं, लेकिन डीएम अविनाश सिंह लगातार उस पारंपरिक वीआईपी कल्चर से अलग तस्वीर पेश कर रहे हैं।

"ई-बस में सफर करना अच्छा लगता है"- मीडिया से बातचीत में जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने मुस्कुराते हुए कहा कि उन्हें ई-बस में सफर करना बेहद पसंद है। उन्होंने कहा, "ई-बस में सफर कर बहुत आनंद आता है। बोरियत बिल्कुल नहीं होती। रास्ते में कभी मोबाइल पर गाने सुन लेता हूं, कभी लोगों को देखता हूं, कभी शहर को महसूस करता हूं।" डीएम के इस बयान ने लोगों के बीच उन्हें और अधिक लोकप्रिय बना दिया। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने उनके सादगीपूर्ण व्यवहार और सार्वजनिक परिवहन के प्रति सकारात्मक सोच की जमकर सराहना की। कई लोगों ने लिखा कि जब जिले का सबसे बड़ा अधिकारी ई-बस में सफर कर सकता है तो आम लोगों को भी निजी वाहनों की बजाय सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देनी चाहिए।

जनसेवा, सुरक्षा व सुशासन सरकार का संकल्पः मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने व्यस्ततम दिनचर्या के बीच भी सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों से मिले और हर किसी की समस्या सुनी। मुख्यमंत्री ने सभी से कहा कि जनसेवा, सुरक्षा व सुशासन सरकार का संकल्प है। आपकी हर उचित समस्या का समाधान होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तय समय सीमा के भीतर समस्याओं के निस्तारण का भी निर्देश दिया। 'जनता दर्शन' में बिहार से भी एक महिला मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचीं, मुख्यमंत्री ने उनका अभिवादन कर कुशलक्षेम पूछा।

डीएम-एसपी स्वयं कराएं समस्या का समाधान –मुख्यमंत्री ने सभी के प्रार्थना पत्र लेने के उपरांत सम्बंधित जनपदों के अधिकारियों को प्रकरण की जांच कराकर पीड़ितों को न्याय दिलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक स्वयं मामलों पर नजर रखें और पीड़ितों की समस्याओं का

समाधान सुनिश्चित करें।

हर जरूरतमंद की समस्या का समाधान सरकार की प्रतिबद्धता– मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जरूरतमंद की समस्या का समाधान हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है। मुख्यमंत्री ने अफसरों को निर्देशित किया कि पूरी तत्परता व संवेदनशीलता से सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सभी को न्याय मिले। हर पात्र को योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। मुख्यमंत्री ने राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश दिए।

2027 की तैयारीः नजीबाबाद में फिर चाहिए हाजी तसलीम अहमद, प्रदेश में सपा सरकार की दरकार

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। विधायक प्रतिनिधि एवं समाजवादी पार्टी नेता नितिन कश्यप ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 प्रदेश की राजनीति और विकास की दिशा तय करने वाला अहम चुनाव होगा। ऐसे समय में बिजनौर जिले की महत्वपूर्ण नजीबाबाद विधानसभा सीट से मौजूदा विधायक हाजी तसलीम अहमद को चौथी बार विधायक चुनना और प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाकर अखिलेश यादव को दोबारा मुख्यमंत्री बनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि हाजी तसलीम अहमद एक लोकप्रिय, सुलभ और जमीनी नेता हैं, जिन्होंने लगातार 2012, 2017 और 2022 में जीत दर्ज कर जनता के बीच अपनी मजबूत पकड़ साबित की है। क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी और अन्य

बुनियादी सुविधाओं के विकास के साथ-साथ भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। नितिन कश्यप ने कहा कि हाजी तसलीम अहमद की राजनीति का मूल उद्देश्य "सबका साथ, समान विकास" रहा है। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के हर धर्म और हर वर्ग के लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुना और उनका समाधान कराने का प्रयास किया। विधायक कार्यालय आम जनता के लिए हमेशा खुला रहता है और यही वजह है कि क्षेत्र की जनता आज भी उन पर पूरा भरोसा जताती है। उन्होंने आगे कहा कि आज उत्तर प्रदेश को एक ऐसे प्रगतिशील नेतृत्व की जरूरत है, जो युवाओं को रोजगार, किसानों को सम्मान, गरीबों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और छात्रों को आधुनिक शिक्षा उपलब्ध करा सके। समाजवादी पार्टी की नीतियां हमेशा विकास, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक न्याय पर केंद्रित रही हैं। नितिन कश्यप ने विश्वास जताया कि 2027 में नजीबाबाद की जनता एक बार फिर हाजी तसलीम अहमद को ऐतिहासिक जीत दिलाएगी और पूरे प्रदेश में समाजवादी पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। उनका कहना था कि नजीबाबाद के सर्वांगीण विकास और उत्तर प्रदेश को तरक्की की नई दिशा देने के लिए यह बदलाव बेहद जरूरी है।

"कैंट की सियासत में नया चेहरा या जनता की नई उम्मीद?"

» डॉ. अनीस बेग ने जनसंपर्क, सेवा और PDA की राजनीति से बढ़ाई 2027 की दस्तक

लोकतंत्र की शान

(बरेली उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) बरेली कैंट विधानसभा की सियासत में इन दिनों एक नाम तेजी से चर्चा का केंद्र बनता जा रहा है— Dr. Anees Beg। समाजवादी पार्टी के सक्रिय नेता और संभावित भावी प्रत्याशी के रूप में डॉ. अनीस बेग लगातार जनता के बीच पहुंचकर अपनी मजबूत राजनीतिक मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं। सुभाष नगर, सूफी टोला, माधोबाड़ी और एजाज नगर गौटिया समेत कैंट क्षेत्र के कई इलाकों में उनके जनसंपर्क अभियान लगातार जारी हैं। कहीं चौपाल लग रही है, कहीं गरीबों को कंबल वितरित किए जा रहे हैं, तो कहीं PDA महापंचायत के जरिए सामाजिक न्याय और

भागीदारी का संदेश दिया जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी अभी से जमीनी रणनीति तैयार कर रही है और डॉ. अनीस बेग उसी रणनीति का अहम चेहरा बनते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि डॉ. बेग केवल चुनावी मौसम के नेता नहीं हैं, बल्कि वह नियमित रूप से क्षेत्र में लोगों की समस्याएं सुनते और उनके समाधान के लिए प्रयास करते नजर आते हैं। यही वजह है कि युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं के बीच उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। एक चिकित्सक होने के कारण उनकी अलग सामाजिक पहचान भी है। क्षेत्र में कई जरूरतमंद परिवार उन्हें ऐसे व्यक्ति के रूप में देखते हैं जिन्होंने इलाज, सामाजिक सहयोग और मानवीय संवेदनाओं के जरिए लोगों का भरोसा जीता है। हाल ही में आयोजित एक PDA महापंचायत में डॉ. अनीस बेग ने कहा कि, "समाज की आखिरी पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सम्मान और अधिकार पहुंचाना ही असली राजनीति है।" उनके इस बयान को कार्यकर्ताओं ने जोरदार समर्थन दिया। समाजवादी पार्टी के स्थानीय संगठन में भी उन्हें एक मेहनती और सक्रिय चेहरे के रूप में देखा जा रहा है।

बढ़ती महंगाई से आमजन बेहाल, रसोई का बजट बिगड़ा

» तेल, आटा, दूध और सब्जियों के बढ़ते दामों ने बढ़ाई लोगों की चिंता

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। लगातार बढ़ रही महंगाई ने आम आदमी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली खाद्य सामग्री के दाम लगातार बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों का घरेलू बजट पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। लोगों का कहना है कि अब घर चलाना पहले की तुलना में कहीं अधिक कठिन हो गया है। बाजार में आटा, चावल, दाल, दूध, सरसों तेल, रिफाइंड और सब्जियों के दामों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। गृहिणियों का कहना है कि पहले जितने पैसे में पूरे महीने का राशन आ जाता था, अब उतने में आधा सामान भी नहीं मिल पा रहा। बढ़ती कीमतों के कारण कई परिवारों को अपनी जरूरतों में कटौती करनी पड़ रही है। स्थानीय व्यापारियों के अनुसार महंगाई का असर सबसे ज्यादा मजदूर वर्ग और छोटे कारोबारियों पर पड़ रहा है। सीमित आय वाले परिवारों के लिए घरेलू खर्च संभालना चुनौती बन गया है। कई लोग अब खर्च कम करने के लिए खाने-पीने और अन्य जरूरी चीजों में कटौती करने को मजबूर हैं।

खाद्य तेलों की कीमतों में बड़ा उछाल– व्यापारियों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में खाद्य तेलों की कीमतों में काफी बढ़ोतरी हुई है।

पहले जो सरसों तेल और रिफाइंड का टिन करीब 1700 से 1800 रुपये तक मिल जाता था, वह अब 2400 से 2700 रुपये तक पहुंच गया है। लगातार बढ़ती कीमतों से रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। दुकानदारों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और परिवहन लागत बढ़ने के कारण खाद्य पदार्थों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं।

कम मात्रा में मिल रहा सामान, उपभोक्ताओं पर दोहरी मार–महंगाई के बीच कई कंपनियां पैकेट का वजन और मात्रा कम कर रही हैं। पहले जहां एक लीटर उत्पाद मिलता था, अब वही 850 से 900 मिली तक सीमित हो गया है। इसी तरह कई खाद्य पदार्थों के पैकेट छोटे कर दिए गए हैं, जिससे उपभोक्ताओं को कम सामान के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है।

जरूरी खाद्य सामग्री के बढ़े दाम

सामान	पहले के दाम	वर्तमान दाम
दूध	30-40 रु.	50-70 रु.
चावल	28-30 रु.	32-34 रु.
आटा	30 रु.	40 रु.
सरसों तेल	1450 रु. टिन	2700 रु. टिन
रिफाइंड	1450 रु. टिन	1750 रु. टिन
चीनी	40 रु.	60 रु. किलो

सब्जियों के दाम भी बढ़े

सब्जी	पहले के दाम	वर्तमान दाम
टमाटर	30 रु.	60 रु. किलो
गोभी	20 रु.	40 रु.
अदरक	100 रु.	200 रु. किलो
मटर	50 रु.	100 रु. किलो
भिंडी	40 रु.	60 रु. किलो

स्थानीय लोगों ने सरकार से जरूरी खाद्य पदार्थों की कीमतों पर नियंत्रण लगाने और आम जनता को राहत देने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह महंगाई बढ़ती रही तो आने वाले समय में गरीब और मध्यम वर्ग के लिए हालात और अधिक कठिन हो सकते हैं।

नजीबाबाद में "इंडियाज पिज्जा प्लेनेट" रेस्टोरेंट का भव्य उद्घाटन

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। शहर के बस स्टैंड रोड स्थित विशाल मेगामार्ट के निकट "इंडियाज पिज्जा प्लेनेट" रेस्टोरेंट का भव्य उद्घाटन व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष कपिल सर्राफ द्वारा फीता काटकर किया गया। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में व्यापारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। रेस्टोरेंट के संचालक फैजान अंसारी और इमरान अंसारी ने मुख्य अतिथि कपिल सर्राफ का फूलमालाओं के साथ भव्य स्वागत किया। इस दौरान अतिथियों ने रेस्टोरेंट का निरीक्षण कर संचालकों को शुभकामनाएं दीं और व्यवसाय की सफलता की कामना की। कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री श्रीमती बिंदू सर्राफ, जिला उपाध्यक्ष सुनीता गुप्ता, नगर उपाध्यक्ष एवं नगरपालिका सदस्य श्रीमती गीता कैशले, नगर अध्यक्ष शाहिद सिद्दीकी, जिला उपाध्यक्ष मुकीम कुरैशी, नगर सचिव धीर झा, शाखा

अध्यक्ष मोनू, टाटा उपाध्यक्ष सिताब खान, युवा नगर अध्यक्ष शेर अली, हरिद्वार रोड शाखा अध्यक्ष विशाल कुरैशी, नगर उपाध्यक्ष आतिफ अमीन, बासमंडी अध्यक्ष मोहम्मद आसिफ, टैक्सी यूनियन अध्यक्ष अली शेर, मछली बाजार अध्यक्ष शहबाज अंसारी, इसरार अहमद सहित सैकड़ों व्यापारी मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह के दौरान सभी अतिथियों ने नए रेस्टोरेंट के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के प्रतिष्ठान शहर में रोजगार और व्यापार को बढ़ावा देने का कार्य करते हैं।

सुभाषनगर पुलिस का पैदल गश्त अभियान, बाजारों में लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

» एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देशन में थाना प्रभारी सतीश कुमार नैन ने पुलिस टीम संग किया फ्लैग मार्च

लोकतंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) जनपद बरेली में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से थाना सुभाषनगर पुलिस ने व्यापक पैदल गश्त अभियान चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार नैन ने पुलिस बल के साथ क्षेत्र के प्रमुख बाजारों, संवेदनशील इलाकों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर फ्लैग मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा का

माहौल मजबूत नजर आया। पैदल गश्त के दौरान पुलिस टीम ने मुख्य मार्गों, चौराहों और बाजारों में घूमकर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन जांच की। साथ ही व्यापारियों, दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उन्हें सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि यदि कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। गश्त अभियान के दौरान पुलिस टीम ने बाजारों में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति की भी जानकारी ली और व्यापारियों को अपने प्रतिष्ठानों के बाहर बेहतर निगरानी व्यवस्था बनाए रखने की सलाह दी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था और जनसहयोग से ही अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार नैन ने बताया कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, असामाजिक तत्वों पर निगरानी और आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के लिए नियमित रूप से पैदल गश्त अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस की प्राथमिकता जनता को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है तथा शांति व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि त्योहारों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। पुलिस टीम लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहकर अपराधियों और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है।

मुंह में कपड़ा घुसकर व हाथ पैर बांधकर महिला का बेरहमी से कत्ल, भतीजा नामजद, गांव में दहशत

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर/रहराः सोमवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक अकेली रह रही महिला का शव उसके ही मकान के अंदर संदिग्ध हालात में पड़ा मिला। महिला के हाथ-पैर रस्सी से बंधे हुए थे, मुंह में कपड़ा ठूंसा गया था और गले पर दबाव के निशान साफ दिखाई दे रहे थे। कमरे का दृश्य इतना भयावह था कि जिसने भी देखा, उसकी रूह कांप उठी। शुरुआती जांच में गला घोंटकर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने महिला के ममेरे भाई की तहरीर पर भतीजे समेत दो लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। बता ते चले कि घटना हसनपुर तहसील क्षेत्र के रहरा थाना के गांव पोरारा की है।

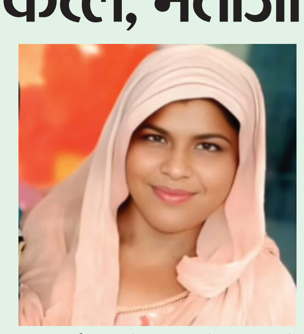

यहां रहने वाली 40 वर्षीय जावित्री लंबे समय से अकेली रह रही थी। सोमवार सुबह पड़ोस में रहने वाली रानी रोजाना की तरह दूध देने उसके घर पहुंची। काफी देर तक आवाज लगाने के बावजूद जब अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो उसे शक हुआ। आसपास के लोगों को बुलाया गया। कुछ ग्रामीण छत के रास्ते घर के अंदर झांके तो चारपाई के पास जावित्री का शव पड़ा दिखाई दिया। यह देखते ही गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही रहरा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने जब कमरे का निरीक्षण किया तो महिला के हाथ-पैर बंधे मिले। उसके मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था। पास ही टूटी हुई गुल्लक भी पड़ी थी, जिससे आशंका जताई जा रही है कि हत्या के बाद घर में रखे रुपए भी निकाले गए। महिला के शरीर पर संघर्ष और चोट के कई निशान मिले हैं। पुलिस का मानना है कि हत्या से पहले महिला ने खुद को बचाने की कोशिश की होगी। जांच में सामने आया उसने पहले अपने छोटे भाई टेकचंद की बेटी शिवानी को गोद लिया था, लेकिन पारिवारिक विवाद बढ़ने पर बच्ची को वापस ले लिया गया। इसके बाद जावित्री ने अपने ममेरे भाई राकेश के बेटे को गोद लिया। इसी बात को लेकर परिवार में तनाव और अधिक गहरा गया था। मृतका के ममेरे भाई राकेश ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि जावित्री का भतीजा हिमांशु पुत्र टेकचंद इस बात से रंजिश रखता था कि उसने राकेश के बेटे को गोद लिया था। आरोप है कि हिमांशु ने अपने एक साथी के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस क्षेत्राधिकारी पंकज कुमार त्यागी, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव भी मौके पर पहुंचे। फील्ड यूनिट, एसओजी टीम और डॉग स्क्वायड ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और मोबाइल कॉल डिटेल्स को भी खंगाल रही है।

संक्षिप्त समाचार

हाजीपुर में पिकअप की टक्कर से युवक की मौत, परिजन ने जताई हत्या की आशंका

हाजीपुर। हाजीपुर-मुजफ्फरपुर मुख्य मार्ग पर रविवार की रात तेज रफ्तार पिकअप की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। घटना सदर थाना क्षेत्र स्थित पुलिस लाइन के पास की है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल युवक को एक महिला ने मानवता का परिचय देते हुए इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के लोदीपुर वार्ड संख्या-35 निवासी स्वर्गीय जामुन राय के पुत्र राजेश कुमार के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। वीडियो में साफ देखा जा रहा है कि तेज रफ्तार से आ रही एक पिकअप वैन ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही युवक सड़क पर दूर

जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार हादसे के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। वहीं आसपास मौजूद लोगों की भीड़ जुट गई। इसी दौरान एक महिला ने घायल युवक को टेंपो पर बैठाकर सदर अस्पताल पहुंचाया। महिला की इस पहल की लोग सराहना कर रहे हैं। परिजनों के मुताबिक राजेश कुमार रविवार को घर से बाइक लेकर निकले थे। रात करीब आठ बजे वह एनएच-22 के पूर्वी लेन स्थित पुलिस लाइन के पास पहुंचे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक में जोरदार ठोकर मार दी। हादसे के बाद सड़क पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े, लेकिन तब तक युवक गंभीर रूप से घायल हो चुका था।

डेढ़ घंटे में 3 ट्रेनों पर पथराव, वंदे भारत एक्सप्रेस के 3 कोच के शीशे टूटे, सीसीटीवी खंगाल रही रेल पुलिस

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में रविवार शाम डेढ़ घंटे में 3 ट्रेनों पर पथराव हुआ। इन ट्रेनों में देश की प्रीमियम ट्रेन पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस भी शामिल है। इस गाड़ी के तीन कोचों के शीशे आंशिक रूप से टूटे हैं। इसके अलावा ट्रेन संख्या 15550 पटना-जयनगर इंटरसिटी एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 14006 लिच्छवी एक्सप्रेस पर भी अलग-अलग जगहों पर पथराव हुआ है। तीनों घटना मुजफ्फरपुर जंक्शन और रामदयालु नगर स्टेशन के बीच की है। रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के अधिकारियों के अनुसार, वंदे भारत एक्सप्रेस में सुरक्षा के लिहाज से लगे सीसीटीवी CCTV के फुटेज को खंगाला जा रहा है, ताकि पत्थरबाजों की पहचान की जा सके। बताया जा रहा कि रविवार शाम सबसे पहले सबसे पहले ट्रेन संख्या 26501 पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस पर मझौलिया और खबरा के पास पत्थर फेंका गया। इसके तुरंत बाद इसी रूट पर इंटरसिटी एक्सप्रेस और लिच्छवी एक्सप्रेस पर पथराव हुआ। एक साथ तीन ट्रेनों पर पत्थरबाजी की सूचना मिलते ही मुजफ्फरपुर आरपीएफ (RPF) और हाजीपुर आरपीएफ की टीम तुरंत हरकत में आ गईं और घटनास्थल पर जांच शुरू कर दी। मुजफ्फरपुर रेल एसपी वीणा कुमारी ने बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी की सूचना मिली थी। इसी दौरान अन्य ट्रेनों पर भी पत्थर फेंके जाने की घटनाएं सामने आई हैं। रेल पुलिस ने मामले में शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार कुछ लोग रेलवे लाइन किनारे खड़े थे और ट्रेन गुजरने के दौरान उस पर पत्थर फेंके गए। शुरुआती जांच और स्थानीय इनपुट के आधार पर रेलवे पुलिस को आशंका है कि ट्रैक के किनारे खेल रहे बच्चों ने खेल-खेल में पत्थरबाजी की होगी। हालांकि, पुलिस इस मामले में किसी भी अन्य साजिश के पहलू को खारिज नहीं कर रही है। आरपीएफ और स्थानीय पुलिस आसपास के गांवों में भी पूछताछ कर रही है ताकि इस गंभीर घटना के असली जिम्मेदारों को पकड़ा जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

'तेजस्वी यादव की समझ छोटी और बुद्धिहीन'

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव की समझ छोटी है और उन्हें Agitation और Education का अंतर तक समझ नहीं आता। मुजफ्फरपुर जिला स्कूल में एडमिशन ले लें, सरकार उनकी विशेष चिंता करेगी। एक साल में वह इतना पढ़-लिख जाएंगे कि दोनों शब्दों का फर्क समझ पाएंगे। मिथिलेश तिवारी ने कहा कि उन्होंने कई बार नेता प्रतिपक्ष से पढ़ाई करने का आग्रह किया है। अब जबकि वह बिहार के शिक्षा मंत्री हैं, तो इस नाते कहना चाहते हैं कि बिहार के छात्र-छात्राओं के साथ कुछ अशिक्षित नेताओं को भी पढ़ने की जरूरत है, जिसमें सबसे ऊपर नेता प्रतिपक्ष हैं। विपक्ष मुद्दाविहीन हो चुका है और छात्रों के पीछे छिपकर अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने का काम कर रहा है। TRE-4 के मुद्दे पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि अभ्यर्थी अपनी तैयारी में जुट जाएं क्योंकि बहुत जल्द बिहार सरकार बड़ी खुशखबरी देने वाली है। उन्होंने दावा किया कि सरकार जल्द ऐसी घोषणा करेगी जिससे अभ्यर्थियों के सपने साकार होंगे। साथ ही उन्होंने छात्रों से अपील करते हुए कहा कि वे उन नेताओं से बचें जो सिर्फ अपनी नेतागिरी चमकाने के लिए आंदोलन करा रहे हैं। सरकार अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा करेगी और जल्द बेहतर सूचना दी जाएगी। अपने ऊपर लगे 50 लाख रुपए के गबन के आरोपों पर भी मिथिलेश तिवारी ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह निराधार हैं। विपक्ष पुराने मामलों को उठाकर उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। ऐसे लोगों को चिन्हित किया जा रहा है और उनके वकीलों ने करीब 50 लोगों के खिलाफ FIR भी दर्ज कराई है। आगे की कार्रवाई भी कानूनी रूप से की जाएगी। इस दौरान शिक्षा मंत्री सोमवार को मुजफ्फरपुर स्थित बाबा गरीब नाथ मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि बाबा गरीब नाथ मंदिर हिन्दुओं की आस्था का बड़ा केंद्र है। बचपन से वह यहां पूजा करते आ रहे हैं। शिक्षा मंत्री बनने के बाद उन्होंने बाबा गरीब नाथ से बच्चों, युवाओं और शिक्षा जगत से जुड़े लोगों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अवैध विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, पोल्ट्री फार्म की आड़ में चल रहा था कारोबार

लोकतंत्र की शान , पटना : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर पुलिस ने कथैया थाना क्षेत्र में पोल्ट्री फार्म की आड़ में चल रही विदेशी शराब मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। मौके से 137 लीटर तैयार विदेशी शराब और लगभग 30 लीटर स्प्रिट जब्त की गई है। 2 तस्करों की भी गिरफ्तारी हुई है। इसके अलावा विदेशी शराब बनाने के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, 180 मिलीलीटर की 7000 खाली प्लास्टिक बोतलें, ब्रांडेड कंपनियों के नकली रैपर, स्टीकर बरामद की गई। गिरफ्तार धंधेबाजों की पहचान रामपुर भेड़ियाही निवासी टुनटुन कुमार(21) और नेपाल के मोरंग जिला निवासी दिनेश कुमार (22) के तौर पर हुई है। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर पूरे जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है। एसडीपीओ पश्चिमी सुचित्रा कुमारी के नेतृत्व में गठित टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर सरसियां जगदीश स्थित रौशन सिंह के पोल्ट्री फार्म पर छापा मारा। एसडीपीओ पश्चिमी सुचित्रा कुमारी ने बताया कि घटनास्थल से मिले सभी साक्ष्यों की विधिवत जब्ती सूची(सीजर लिस्ट) तैयार कर ली गई है। पुलिस टीम ने इस रैकेट से जुड़े लगभग आधा दर्जन अन्य शातिर शराब कारोबारियों को भी पूरी तरह चिन्हित कर लिया है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है।पकड़े गए दोनों आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद कोर्ट में पेश किया जाएगा।

पटना में स्कूल शिक्षक को गोली मारने वाले का हुआ एनकाउंटर

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना में एक शिक्षक से लूटपाट और गोलीबारी के मामले में पुलिस ने दो अपराधियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। इस दौरान एक अपराधी घायल हो गया, जबकि दूसरे को हिरासत में लिया गया। घायल अपराधी का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस को सूचना मिली थी कि शिक्षक के साथ लूटपाट और गोलीबारी करने वाले अपराधी संदीप उर्फ बादल है। वह अपने साथी प्रिंस के साथ ट्रांसपोर्ट नगर के पास हाईवे से लगे गेल सीएनजी पेट्रोल पंप के पास भगवत नगर पहुंचे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही संदीप उर्फ बादल ने उन पर गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें बादल के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। इसके बाद उसे और उसके साथी प्रिंस को गिरफ्तार कर लिया गया। घायल अपराधी संदीप उर्फ बादल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को देखते ही अपराधी ने फायरिंग

की: SSP: पटना SSP कार्तिकेय शर्मा ने कहा, कुछ दिनों पहले एक टीचर से छिनतई के दौरान गोली मारी गई थी। आरोपी को पकड़ने के लिए छापेमारी की गई। घायल बदमाश का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। घटना में इस्तेमाल बाइक और हथियार भी बरामद कर लिया गया है। घायल शिक्षक की पहचान 48 वर्षीय शंभू कुमार के रूप में हुई है, जो नालंदा के चंडी स्थित सरकारी विद्यालय में कार्यरत हैं। उन्हें इलाज के लिए एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, शंभू कुमार पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह स्कूल जाने के लिए घर से निकले थे और नेशनल हाईवे पर गाड़ी का इंतजार कर

♦ **मुठभेड़ में एक अपराधी घायल, दूसरा गिरफ्तार, ट्रांसपोर्ट नगर के पास पुलिस ने दबोचा**

रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार दो अपराधियों ने उनसे बैग और मोबाइल लूटने का प्रयास किया। जब शिक्षक ने विरोध किया तो अपराधियों ने उन पर गोली चला दी। गोली उनके गले के नीचे लगी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। इसके बाद अपराधी उनका बैग और मोबाइल लेकर फरार हो गए।

यह घटना नेशनल हाईवे स्थित नरल पेट्रोल पंप के पास मिश्रा वैली स्कूल के समीप हुई। शिक्षक को गोली मारने की घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया, जिसमें सुबह 4:19 बजे दो बदमाश एक बाइक पर आते दिख रहे हैं। फुटेज में बाइक सवार दो अपराधी शिक्षक को गोली मारने के बाद मौके से फरार होते दिखाई दिए। पूरी वारदात पेट्रोल पंप के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। इसी सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी।

नव पदस्थापित कोशी प्रमंडल आयुक्त दिनेश कुमार का सहरसा आगमन, गार्ड ऑफ ऑनर के साथ भव्य स्वागत

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: कोशी प्रमंडल, सहरसा के नव पदस्थापित प्रमंडलीय आयुक्त श्री दिनेश कुमार (भा.प्र.से.) के सोमवार को सहरसा आगमन पर उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। उनके आगमन को लेकर प्रशासनिक महकमे में उत्साह का माहौल देखा गया। इस अवसर पर प्रमंडलीय आयुक्त को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही उन्हें औपचारिक रूप से गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया, जो उनके पदभार ग्रहण करने के उपलक्ष्य में सम्मान और गरिमा का प्रतीक रहा। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने नव नियुक्त आयुक्त से औपचारिक मुलाकात कर उन्हें प्रमंडल की वर्तमान प्रशासनिक स्थिति एवं विभिन्न विकासात्मक कार्यों की जानकारी भी दी। आयुक्त के नेतृत्व में आगामी दिनों में क्षेत्र के समग्र विकास एवं प्रशासनिक व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की उम्मीद जताई जा रही है। इस मौके पर क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार सह अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) श्री संजीव कुमार चौधरी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने नव पदस्थापित आयुक्त का स्वागत किया।

सहरसा में PNG गैस सेवा की शुरुआत, वार्ड 16 से हुआ शुभारंभ; एक माह में सभी वार्डों तक विस्तार का लक्ष्य

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: नगर निगम सहरसा अंतर्गत वार्ड संख्या 16 में सोमवार को जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार द्वारा बहुप्रतीक्षित PNG (पाइप्ड नेचुरल गैस) सेवा का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जिलावासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस सेवा के शुरू होने से पारंपरिक रसोई गैस पर निर्भरता कम होगी, जो वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि PNG गैस उच्च ईंधन क्षमता, अपेक्षाकृत कम लागत तथा पर्यावरण के अनुकूल होने के कारण अधिक लाभकारी है। फिलहाल नगर निगम क्षेत्र के आठ वार्डों में इस सेवा की शुरुआत की गई है। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि आगामी एक माह के भीतर शहर के सभी वार्डों में PNG गैस सेवा उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन एवं IOCL द्वारा मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने नागरिकों से इस सेवा का लाभ उठाने के लिए शीघ्र पंजीकरण कराने की अपील की। इस मौके पर उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार, अपर समाहर्ता श्री निशांत, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री प्रमोद कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

'सबका सम्मान–जीवन आसान' के तहत जनता संवाद में 28 मामलों की सुनवाई, डीएम ने दिए त्वरित निष्पादन के निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मोहम्मद ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: ''सबका सम्मान–जीवन आसान'' (Ease of Living) कार्यक्रम के अंतर्गत सेवा–संवाद–समाधान अनुश्रवण प्रणाली के तहत जिलाधिकारी सहरसा श्री दीपेश कुमार (भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में आयोजित जनता संवाद कार्यक्रम में कुल 28 आवेदनों पर सुनवाई की गई। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आम नागरिकों से संवाद करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों में वर्णित समस्याओं का नियमानुसार यथाशीघ्र समाधान सुनिश्चित करें तथा अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं। कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद से जुड़े मामलों में सुश्री रीना कुमारी, श्री अभिनंदन यादव एवं श्री राजेंद्र यादव (सत्तर कटैया निवासी) तथा श्री शंकर साह (सौर बाजार निवासी) के आवेदनों के निष्पादन हेतु संबंधित अंचलाधिकारी सत्तर कटैया एवं सौर बाजार को आवश्यक निर्देश दिए गए। वहीं, श्री अजीत ठाकुर के आवेदन के निवारण के लिए अनुमंडल पदाधिकारी, सिमरी बख्तियारपुर को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता (वि. जांच) श्री निशांत, वरीय उप समाहर्ता श्री अभिनव भास्कर सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

आर्ट ऑफ गिविंग स्थापना दिवस पर सहरसा में प्रमंडल स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित, कोशी स्पोर्ट्स अकैडमी बनी विजेता

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: आर्ट ऑफ गिविंग स्थापना दिवस (17 मई) के अवसर पर सहरसा स्टेडियम के बाहरी परिसर में एक दिवसीय प्रमंडल स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में सहरसा, सुपौल एवं मधेपुरा के कुल 7 क्लबों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले गए। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए आर्ट ऑफ गिविंग के प्रमंडलीय संयोजक सह जिला वॉलीबॉल संघ सहरसा के सचिव रोशन सिंह धोनी ने बताया कि संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत के आह्वान तथा बिहार आर्ट ऑफ गिविंग के संयोजक श्री नीलकमल राय के निर्देशन में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस वर्ष स्थापना दिवस का मुख्य थीम "Share to Shine (साझा करें और चमके)" रखा गया, जिसके तहत बिहार के लगभग 20 जिलों में वॉलीबॉल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिता में कोशी स्पोर्ट्स अकैडमी, सहरसा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि विलियम्स वॉलीबॉल क्लब, सुपौल की टीम उपविजेता रही। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला खेल पदाधिकारी वैभव कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि सहरसा में खेल का माहौल लगातार बेहतर हो रहा है और खेल संघों एवं क्लबों को हर संभव सहयोग दिया जाएगा। इस अवसर पर सभी सातों क्लबों के कप्तानों को तीन-तीन वॉलीबॉल एवं नेट प्रदान किए गए, ताकि वे अपने-अपने क्लब में बेहतर अभ्यास कर सकें। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला वॉलीबॉल संघ के संयोजक अमन कुमार सिंह, उपाध्यक्ष सैयद शामी अहमद, कार्यकारिणी सदस्य दर्शन कुमार गुड्डू, शिवेंद्र नारायण सिंह, पंकज ठाकुर, राहुल सिंह एवं कुणाल चौधरी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं, कार्यक्रम में वरीय खिलाड़ी उज्जवल, प्रकाश, संदीप, अमन एवं बीनू भी मौजूद रहे।

ज्योति का इशारों में भोजपुरी स्टार पवन सिंह पर तंज

लोकतंत्र की शान , पटना

पवन सिंह और ज्योति सिंह के तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा है। इस बीच दोनों की तल्खी भी अब सामने आने लगी है। ज्योति सिंह सीधे पवन सिंह का नाम तो नहीं ले रही हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर रील्स और स्टोरी के जरिए इशारों में पावर स्टार पर तंज कस रही हैं। ज्योति ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें लिखा है, 'स्त्रियों को कमजोर केवल राक्षसों ने बोला है, देवताओं ने तो हमेशा ही शक्ति कह के ही संबोधित किया है..!!'

दूसरे पोस्ट में लिखा है, 'विश्वास वही है। जब आंखें आंसुओं से भरी हों और होंठ फिर भी कहे महादेव अच्छा करेंगे।' ज्योति सिंह पवन सिंह का नाम लेकर कुछ भी कह नहीं रही हैं। वो क्रिप्टिक पोस्ट के जरिए अपनी बातों को रख रही हैं।

दिल का दर्द न जाने कोई...:

इंस्टा पर लिखा-औरतों को कमजोर केवल राक्षसों ने बोला है, देवताओं ने शक्ति कहा है

यह पहली बार नहीं है, जब ज्योति ने इस तरह की चीजें पोस्ट की है। इससे पहले भी उन्होंने एक रील सोशल मीडिया पर शेयर की थी, जिसमें वो हाथ में किताब लिए झूला झूलती नजर आ रही हैं। बैकग्राउंड में फिल्म 'देवदास' का सैड सॉन्ग बज रहा है। बोल है- 'बैरी पिया बड़ा बेदर्दी..दिल का दर्द न जाने कोई..।' उनके हाथों ने एक पीला फूल नजर आ रहा है। खास बात ये है कि इसमें ज्योति बिना सिंदूर के नजर आ रही हैं।

बिहटा में केसरी एजेंसी मालिक के घर लाखों की चोरी

लोकतंत्र की शान, पटना

बिहटा थाना क्षेत्र में रात केसरी एजेंसी के मालिक संजीव भारती के घर हुई लाखों की चोरी मामले में पुलिस को अहम सुराग मिले हैं। चोरी की पूरी वारदात CCTV कैमरे में कैद हो गई है। घटना के दौरान चोरों ने घर के सदस्यों के साथ मारपीट भी की, जिसमें संजीव भारती घायल हो गए।

सामने आए CCTV फुटेज में दिख रहा है कि चोर पहले घर के बगल स्थित पार्किंग के मुख्य गेट तक पहुंचे। इसके बाद उनका एक साथी दीवार के सहारे अंदर घुसा और पार्किंग गेट तोड़कर बाकी चोरों को अंदर बुलाया। इसके बाद तीन चोर दीवार के सहारे घर के पीछे की बालकनी तक पहुंचे और दरवाजा तोड़कर घर में प्रवेश कर गए। चोरी के दौरान आवाज होने पर संजीव भारती की नींद खुल गई। उन्होंने

अपनी मां को बचाने की कोशिश की, इसी दौरान चोरों के साथ उनकी हाथापाई हुई। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी दीवार फांदकर बिहटा रेलवे स्टेशन की ओर भागते नजर आए। पुलिस ने घटनास्थल से एक टूटा हुआ मोबाइल फोन बरामद किया है, जिसे चोरों का बताया जा रहा है। आशंका है कि भागने के दौरान किसी आरोपी का मोबाइल गिर गया। बिहटा थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए लगातार छापेमारी की जा रही है।

जनता दरबार बंद होने के बाद लौट रहे कई फरियादी

लोकतंत्र की शान , पटना

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 15 अप्रैल को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद 17, 18, 20, 21 और 23 अप्रैल को जनता दरबार कार्यक्रम आयोजित किया था। इन कार्यक्रमों में राज्य के अलग-अलग जिलों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं सीधे मुख्यमंत्री के सामने रखी थीं। लेकिन 23 अप्रैल के बाद से जनता दरबार का आयोजन नहीं होने के कारण अब रोजाना बड़ी संख्या में फरियादी पटना स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय पहुंच रहे हैं। अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर आने वाले लोग मुख्यमंत्री से मुलाकात नहीं होने पर निराश लौट रहे हैं। कई लोगों का कहना है कि जनता दरबार में आवेदन देने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई और अब दोबारा मुख्यमंत्री से मिलने का भी मौका नहीं मिल पा रहा है।

चार हजार आवेदन दे चुके, फिर भी कार्रवाई नहीं- श्रवण कुमार: मधुबनी जिले से आए श्रवण कुमार ने बताया कि, वह अमरिका देवी की जमीन और मकान पर कथित कब्जे के मामले को लेकर पिछले तीन दिनों से पटना में

भटक रहे हैं। उन्होंने कहा कि, 'अमरिका देवी की पुश्तैनी खटियानी जमीन और घर पर जबरन कब्जा कर लिया गया है, लेकिन स्थानीय थाना कोई सुनवाई नहीं कर रहा। अब तक करीब चार हजार आवेदन अलग-अलग कार्यालयों में दे चुके हैं, लेकिन न तो भू-माफियाओं की गिरफ्तारी हुई और न ही प्राथमिकी दर्ज की गई।' श्रवण कुमार ने आरोप लगाया कि, 'मुख्यमंत्री सचिवालय में आम लोगों को अंदर तक जाने नहीं दिया जाता। मुख्य सचिव माधव सिंह के नाम से चिट्ठी मिलने के बाद उन्हें उम्मीद थी कि मुलाकात हो जाएगी, लेकिन यहां आने पर उनसे भी भेंट नहीं हो सकी।'

महिला सशक्तिकरण के लिए मदद मांगने आए थे- शैलेंद्र चौधरी: हिलसा से आए शैलेंद्र चौधरी ने कहा कि, वह पिछले दस वर्षों से अपने एनजीओ के जरिए महिला सशक्तिकरण और सामाजिक कार्य कर रहे हैं। समाज सेवा के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की योजनाओं से सहायता की उम्मीद लेकर मुख्यमंत्री सचिवालय पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि, चार महीने पहले भी मुख्यमंत्री सचिवालय में आवेदन दिया गया था, लेकिन आज तक कोई जवाब नहीं मिला। जनता दरबार की जानकारी मिलने पर वे मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे थे, लेकिन अब पता चला कि मुख्यमंत्री से मुलाकात नहीं हो पाएगी।

सासाराम से आए राजेश कुमार ने बताया कि, 'हमारी संस्था "लोक कल्याण समिति" कई वर्षों से सामाजिक कार्य कर रही है, लेकिन सरकार से भुगतान नहीं मिलने के कारण संस्था के कर्मचारी बेरोजगार होते जा रहे हैं।' उन्होंने कहा कि, 'आर्थिक संकट की वजह से कई कर्मचारी काम छोड़ चुके हैं और संस्था का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। हमें भुगतान का आश्वासन तो दिया गया, लेकिन किसी को पैसा नहीं मिला।'

संक्षिप्त समाचार

ईंधन मूल्य वृद्धि के खिलाफ फूटा जन आक्रोश"

लोकतंत्र की शान, राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट, करनाल। नीट परीक्षा पेपर लीक से युवाओं के टूटते सपनों, किसानों पर बढ़ती खेती लागत, महंगाई, पेट्रोल-डीजल मूल्य वृद्धि और आमजन की आर्थिक पीड़ा के खिलाफ आज करनाल में जिला कांग्रेस कमेटी (शहरी) करनाल के जिला अध्यक्ष पराग गाबा के नेतृत्व में विशाल रोष प्रदर्शन आयोजित किया गया। जिला अध्यक्ष पराग गाबा ने अत्यंत भावुक स्वर में कहा कि आज देश का युवा अपने सपनों के टूटने का दर्द सह रहा है, किसान अपनी मेहनत और भविष्य बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है, और आम आदमी अपनी रसोई चलाने के लिए हर दिन लड़ाई लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब एक मां अपने बच्चे की पढ़ाई के सपनों को बिखरते देखती है, जब किसान अपनी मेहनत की कमाई को बढ़ती लागत में डूबता देखता है, तब यह केवल आर्थिक संकट नहीं बल्कि राष्ट्र की आत्मा पर आघात होता है। पराग गाबा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता के आंसुओं को केवल देख नहीं सकती — कांग्रेस हर उस छात्र की उम्मीद है, हर उस किसान की आवाज है, हर उस परिवार का सहारा है जो अन्याय, भ्रष्टाचार और महंगाई से पीड़ित है। उन्होंने दृढ़ संकल्प के साथ कहा कि कांग्रेस जनता के अधिकारों, युवाओं के भविष्य और किसानों के सम्मान की इस लड़ाई को अंतिम सांस तक लड़ती रहेगी। यह प्रदर्शन केवल विरोध नहीं, बल्कि युवाओं, किसानों, मजदूरों और मध्यम वर्ग की सामूहिक आवाज बनकर उभरा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं, वरिष्ठ नेताओं, पूर्व विधायकगण और बड़ी संख्या में आमजन ने इसमें भाग लिया।

थाना बरही पुलिस द्वारा अवैध नलकूप खनन पर बड़ी कार्रवाई,बोरिंग मशीन सहित ट्रक जप्त

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश, पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. श्री संतोष डेहरिया एवं अनुविभागीय अधिकारी (विजयराघवगढ़) श्री वीरेंद्र धार्वे के मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी बरही निरी.अरविंद कुमार चौबे के नेतृत्व में दिनांक 18/05/2026 को ग्राम उबरा थाना बरही क्षेत्र में कार्रवाई की गई। दिनांक 18/05/2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम उबरा थाना बरही क्षेत्र में बिना अनुमति के रोटरी बोर मशीन द्वारा नलकूप खनन किया जा रहा है। सूचना की तस्दीक हेतु पुलिस स्टाफ को मौके पर भेजा गया। मौके पर पहुंचकर देखा गया कि एक ट्रक (क्रमांक CG 07 CT 0810) में रोटरी बोर मशीन लगाकर नलकूप खनन किया जा रहा था। जिसे चालक राधेश्याम केवट पिता रामकिशोर केवट उम्र 27 साल निवासी परासी थाना मानपुर जिला उमरिया मध्यप्रदेश आपरेट कर रहा था। उक्त वाहन चालक से बोरिंग की अनुमति संबंधी दस्तावेज मांगे गए, परंतु उनके द्वारा कोई वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं की गई। जिला मजिस्ट्रेट कटनी के आदेश अनुसार जिले में लागू प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर उक्त ट्रक को जप्त कर पुलिस कब्जे में लिया गया। आरोपी के विरुद्ध धारा 223(a), 3(5) बीएनएस के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस की,इस कार्यवाही में मुख्य भूमिका थाना प्रभारी बरही निरी अरविंद कुमार चौबे, सहायक उपनिरीक्ष दिनेश सिंग बघेल, प्र आर सतीश हल्दकार, आर विवेक श्रीवास्तव आर विवेक यादव की सराहनीय भूमिका रही।

योगी सरकार की बड़ी पहल, कौशल प्रशिक्षण में दिव्यांगजनों को 5% आरक्षण, एसिड अटैक पीड़ित महिलाओं को प्राथमिकता

लोकतंत्र की शान : लखनऊः। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा समाज के वंचित एवं विशेष जरूरत वाले वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। योगी सरकार की इस पहल के तहत प्रदेश में संचालित सभी अल्पकालीन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रत्येक बैच में दिव्यांगजनों के लिए 5 प्रतिशत सीटें अनिवार्य रूप से आरक्षित की गई हैं। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि भारत सरकार के दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुरूप एसिड अटैक पीड़ितों को दिव्यांगजन की श्रेणी में शामिल किए जाने के दृष्टिगत उन्हें कौशल प्रशिक्षण में विशेष प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि कोई एसिड अटैक पीड़ित महिला प्रशिक्षण प्राप्त करने की इच्छुक एवं पात्र है, तो उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पंजीकृत किया जाना सुनिश्चित किया जाए। कौशल विकास केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और सम्मान लौटाने का सशक्त जरिया है। उन्होंने कहा कि मिशन का लक्ष्य है कि प्रशिक्षण एवं रोजगार के माध्यम से इन महिलाओं को समाज में समान अवसर एवं नई पहचान मिल सके।

पानीपतः उद्योगपति ने पत्नी संग नहर में लगाई छलांग, दोनों डूबे

लोकतंत्र की शान : पानीपत। पानीपत के गांव सिवाह के पास से गुजर रही दिल्ली पैरलल नहर पुल के पास सोमवार की सुबह एक उद्योगपति ने अपनी पत्नी के साथ नहर में छलांग लगा दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा। गोताखोरों की मदद से नहर में दोनों की तलाश की, लेकिन अभी तक दोनों का कोई सुराग नहीं लगा है। उद्योगपति की पहचान 60 वर्षीय मुरारी लाल गोयल व उनकी 57 वर्षीय पत्नी कमलेश गोयल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, असंध निवासी 60 वर्षीय मुरारी लाल गोयल अपनी 57 वर्षीय पत्नी कमलेश के साथ स्कूटी पर सवार होकर सिवाह नहर पुल के पास पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दंपती ने पहले अपनी स्कूटी को किनारे पर खड़ा किया, अपनी चप्पलें स्कूटी पर ही उतारकर रखीं और फिर अचानक दोनों ने नहर में छलांग लगा दी। नहर किनारे स्कूटी खड़ी देख और दंपती को पानी में डूबता देखकर राहगीरों ने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी इसराना भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और त्वरित कार्रवाई करते हुए गोताखोरों की टीमों को बुलाकर नहर में उतारा है। फिलहाल पानी का बहाव तेज होने के कारण दोनों का सुराग नहीं लग पाया है, लेकिन गोताखोरों द्वारा तलाश लगातार जारी है। थाना इसराना प्रभारी हरिराम ने बताया कि पुलिस ने परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है।

खदानों में सुरक्षित ब्लास्टिंग को लेकर प्रशासन सख्त

» खदान धारकों और क्रशर संचालकों को दिए गए सख्त निर्देश

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)लोकतंत्र की शान

सीधी/चुरहट। जिले में खदान क्षेत्रों में सुरक्षित ब्लास्टिंग और सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर प्रशासन अब पूरी तरह सख्त नजर आ रहा है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी विकास मिश्रा के निर्देशानुसार सोमवार को एसडीएम कार्यालय चुरहट में खदान धारकों एवं क्रशर संचालकों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम विकास आनंद ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य खदान क्षेत्रों में विस्फोटक सामग्री के सुरक्षित उपयोग, कानूनी प्रावधानों के पालन एवं आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा। इस दौरान जिला खनिज अधिकारी ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम 1996, विस्फोटक अधिनियम 1884 एवं विस्फोटक नियम 2008 के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। एसडीएम विकास आनंद ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की ब्लास्टिंग से पहले एसडीएम कार्यालय एवं संबंधित थाना प्रभारी को अनिवार्य रूप से सूचना देना होगी। साथ ही ब्लास्टिंग केवल लाइसेंसधारी व्यक्ति द्वारा ही कराई जाएगी तथा उससे संबंधित सभी दस्तावेजों का विधिवत संधारण सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने सुरक्षा उपायों को लेकर भी सख्त निर्देश दिए। कहा गया कि ब्लास्टिंग से पूर्व खदान क्षेत्र के आसपास सुरक्षित दूरी तक घेरा बनाया जाए, मुनादी कर ग्रामीणों को पहले से जानकारी दी जाए तथा खदान में कार्यरत मजदूरों के लिए हेलमेट और सुरक्षा जूतों का उपयोग अनिवार्य किया जाए। इसके अलावा खदान क्षेत्र के भीतर विस्फोटकों का संग्रहण पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। बैठक में उपस्थित पट्टा धारकों एवं क्रशर संचालकों ने भी सुरक्षित ब्लास्टिंग को लेकर अपने अनुभव साझा किए और भविष्य में सभी सुरक्षा मानकों एवं कानूनी प्रावधानों का पालन करने का भरोसा दिलाया। प्रशासन की इस पहल को खदान क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और संभावित दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

मार्कशीट पर लोन दिलाने एवं नौकरी दिलाने के नाम फरियादियो के साथ 10 लाख 79 पुलिस ने किया ननौरा, महोबा उत्तर प्रदेश से किया गया गिरफ्तार

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन पर सिमरिया पुलिस टीम द्वारा मार्कशीट पर 60% छूट (सब्सिडी) पर लोन दिलाने एवं महिला बाल विकास विभाग मे नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले शातिर ठग को ग्राम ननौरा जिला महोबा उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार किया गया है जिसके कब्जे से ठगी गई राशि 03 लाख जप्त किये गये है। मामले मे फरियादी बृन्दावन प्रजापति ग्राम बारी ने ग्राम नादन के विनोद कुमार प्रजापति एवं विवेक गुप्ता के साथ दिनांक 09.05.26 को थाना उपस्थित आकर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया की धीरेन्द्र सिंह ठाकुर पिता गजराज सिंह नाम का व्यक्ति निवासी छतरपुर द्वारा प्राथी बृन्दावन प्रजापति को मार्कशीट पर लोन देने एवं विवेक गुप्ता एवं विनोद प्रजापति को नौकरी लगाने का झांसा देकर धोखाधडी छल कपट कर कुल 10 लाख 79 हजार रूपये नगद एवं विभिन्न कियोस्क वालो के फोन पे के माध्यम से ले लिया है। मामले में प्रथम दृष्टया अपराध धारा 318 (4), 336 (3) बी एन एस का घटित होना पाये जाने से अपराध सदर कायम कर विवेचना मे लिया गया एवं घटना की जानकारी थाना प्रभारी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई।

खबर का बड़ा असर : RDSS कार्य में बाधा, कर्मचारियों से अभद्रता और मारपीट की कोशिश का आरोप

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। ग्राम खैरहा में RDSS योजना अंतर्गत चल रहे विद्युत केबलीकरण कार्य को लेकर प्रकाशित खबर के बाद विद्युत विभाग और संबंधित टीम की हलचल तेज हो गई। विभागीय निर्देश के बाद जब RDSS की टीम गांव में कार्य करने पहुंची, तब कुछ स्थानीय लोगों द्वारा कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किए जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, ग्राम खैरहा निवासी विद्या प्रसाद द्विवेदी पिता स्व. गुलाबराम द्विवेदी एवं आनंद द्विवेदी पिता राजेंद्र द्विवेदी ने कार्य कर रही टीम का विरोध करते हुए कर्मचारियों से गाली-गलौज की तथा हमला करने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि दोनों व्यक्तियों की मांग थी कि उनके घर के पास खड़े विद्युत पोल में पहले केवल लगाया जाए, उसके बाद ही गांव में अन्य स्थानों पर कार्य किया जाए। वहीं टीम के कर्मचारियों का कहना है कि संबंधित पोल पिछले लगभग तीन वर्षों से खड़ा है और GIS सर्वे में भी दर्ज नहीं था। इसके बावजूद कर्मचारियों द्वारा संबंधित पक्ष को आश्वासन दिया गया था कि मौजूदा कार्य पूर्ण होने के बाद उक्त पोल का कार्य भी प्राथमिकता से कर दिया जाएगा, लेकिन समझाइश के बावजूद विवाद बढ़ गया। स्थिति बिगड़ती देख टीम को काम बंद कर मौके से निकलना पड़ा। बताया जा रहा है कि घटना 16 मई की दोपहर लगभग 1 बजे की है। घटना के बाद RDSS योजना के तहत लगाए जा रहे कई पोल और सामग्री गांव में अव्यवस्थित अवस्था में पड़ी हुई है। घटना की जानकारी विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को दे दी गई है। अब ग्रामीणों और विभागीय कर्मचारियों की नजर इस बात पर टिकी है कि मामले में आगे क्या कार्रवाई होती है और बाधित कार्य कब तक दोबारा शुरू हो पाता है।

नशीली कफ सिरप पर प्रशासन सख्त मेडिकल संचालकों की थाना में लगी क्लास

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के कुसमी क्षेत्र में बढ़ते नशीली कफ सिरप के कारोबार पर अब प्रशासन ने सख्त रुख अपनाना शुरू कर दिया है। सोमवार शाम करीब 4 बजे थाना कुसमी परिसर में मेडिकल संचालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें थाना प्रभारी अरूणा द्विवेदी, तहसीलदार नारायण सिंह और नायब तहसीलदार टोप्पो मौजूद रहे। बैठक में क्षेत्र के मेडिकल स्टोर संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि बिना डॉक्टर की पर्ची के किसी भी व्यक्ति को नशीली कफ सिरप न बेची जाए। साथ ही 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी प्रकार की दवा देने में विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया। वही बैठक के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने मेडिकल संचालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति बार-बार दुकान पर आकर संदिग्ध तरीके से कफ सिरप या नशे से जुड़ी दवाइयों की मांग करता है, तो उसकी जानकारी तत्काल पुलिस को दें। अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में नशे के बढ़ते कारोबार को रोकने के लिए मेडिकल दुकानों की भूमिका बेहद अहम है और लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। तहसीलदार नारायण सिंह ने बताया कि कुसमी क्षेत्र में नशीली कफ सिरप के अवैध उपयोग और कारोबार की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। इसी को देखते हुए प्रशासन ने पहले चरण में मेडिकल संचालकों को जागरूक और जिम्मेदार बनाने की पहल की है। उन्होंने कहा कि युवाओं और कम उम्र के बच्चों को नशे की गिरफ्त में जाने से बचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। बैठक में मेडिकल संचालकों को दवाइयों के रिकॉर्ड संधारित करने, संदिग्ध ग्राहकों पर नजर रखने तथा नियमों का पालन करने के निर्देश भी दिए गए। प्रशासन ने साफ किया कि यदि भविष्य में बिना प्रिस्क्रिप्शन नशीली दवाइयों की बिक्री पाई गई तो संबंधित मेडिकल स्टोर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कागजों में दिव्यांग बाबूलाल की मौत, हकीकत में जिंदा

» दिव्यांग बाबूलाल की दर्दभरी कहानी पर गरमाई सियासत

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। विधानसभा क्षेत्र सीधी के ग्राम मोहनिया में रहने वाले दिव्यांग बाबूलाल कोल इन दिनों सरकारी लापरवाही का ऐसा दंश झेल रहे हैं, जिसने उनके जीवन को संकट में डाल दिया है। सरकारी रिकॉर्ड में उन्हें मृत घोषित कर दिए जाने के कारण उनकी राशन और पेंशन दोनों बंद हो गई हैं। अब हालात यह हैं कि बूढ़े माता-पिता का पेट भरने के लिए उन्हें दर-दर भटकना पड़ रहा है। रविवार को कांग्रेस पार्टी सीधी के जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह बाबूलाल के घर पहुंचे और उनकी समस्या सुनी। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। बाबूलाल ने बताया कि एक माह पहले वह कलेक्टर जनसुनवाई में पहुंचे थे और अधिकारियों से गुहार लगाई थी कि साहब मैं जिंदा हूं। मेरी राशन और पेंशन चालू कर दीजिए। लेकिन उनकी बात पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बाबूलाल के अनुसार जब पेंशन बंद हुई तो वह गांव के एक कंप्यूटर संचालक के पास पहुंचे। वहां उन्हें बताया गया कि सरकारी दस्तावेजों में उनकी मृत्यु दर्ज हो चुकी है, इसलिए अब उन्हें किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिलेगा। बाबूलाल ने जिला पंचायत सीईओ शैलेंद्र सिंह सोलंकी से भी शिकायत की, लेकिन अब तक समस्या जस की तस बनी हुई है। कांग्रेस के युवा नेता ज्ञानेंद्र अग्निहोत्री ने परिवार से मुलाकात कर राशन सामग्री उपलब्ध कराई और प्रशासन से तत्काल बाबूलाल को सरकारी रिकॉर्ड में जीवित घोषित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि सिस्टम की संवेदनहीनता का प्रतीक है। इस पूरे मामले ने राजनीतिक तूल भी पकड़ लिया है। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने रविवार रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर मोहन यादव सरकार को घेरा और कहा कि किसी जीवित व्यक्ति को कागजों में मृत घोषित करना बेहद निंदनीय है। वहीं सोमवार को जिला पंचायत सीईओ शैलेंद्र सिंह सोलंकी ने मामले में जांच और दोषियों पर कार्रवाई का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से मामला संज्ञान में आया है और यदि लापरवाही पाई गई तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हजरतनगर गढ़ी पुलिस का बड़ा एक्शनः वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार अपराधियों में मचा हड़कंप

लोकतंत्र की शान

जनपद सम्भल के थाना हजरतनगर गढ़ी पुलिस ने अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार विश्नोई के निर्देशन एवं उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस टीम ने दौराने गश्त एवं वारंटी अभियुक्तों की तलाश के दौरान ग्राम पोटा निवासी सुरेन उर्फ सुरेन्द्र पुत्र मटरूलाल को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के खिलाफ मुकदमा संख्या 1892/25, धारा 147, 148, 149, 323, 429, 504 एवं 506 भादवि के तहत कार्रवाई चल रही थी। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को माननीय न्यायालय चन्दौसी भेज दिया गया। इस सराहनीय कार्रवाई में थाना हजरतनगर गढ़ी के उपनिरीक्षक मोहम्मद शाह फैसल, कांस्टेबल अनिल कुमार एवं कांस्टेबल राहुल कुमार की अहम भूमिका रही। थाना प्रभारी संजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम लगातार अपराधियों पर शिकंजा कस रही है।

बाल गंगाधर तिलक वार्ड क्रमांक 1 में इंदिरा नगर गली नंबर 1,2,3, मैं भीषण जल संकट

लोकतंत्र की शान

कटनीः बाल गंगाधर तिलक वार्ड कटनी में जल संकट को देखते हुए आम जनता एक-एक बूंद के पानी के लिए तरस रहे गली नंबर 1 का बर फेल हो जाने के कारण पानी की सप्लाई अवरुद्ध हो चुकी है पानी के टैंकर जो की मात्रा एक टैंकर है वह लगभग दो से ढाई हजार लोगों को पानी की सप्लाई नहीं कर पा रहा है टैंकर पहुंचते ही मारामारी चालू हो जाती है और विवाद की स्थिति बनती है नगर निगम प्रशासन एवं जल विभाग से अनुरोध है की तत्काल पानी के टैंकरों की सप्लाई एक से बढ़कर दो या तीन की जावे है इस भीषण गर्मी में वार्ड के नागरिक बहुत ही परेशान है मेरा प्रशासन से अनुरोध है की तत्काल इस दिशा में कार्रवाई करते हुए कम से कम1 पानी पीने का तो उपलब्ध करा दे यह जानकारी लोकप्रिय पार्षद श्रीमती वंदना राज किशोर यादव पार्षद वार्ड क्रमांक दारा दी गई।

बुंदेलखंड की सड़कों पर "भ्रष्टाचार का डामर" ?

» इंजीनियर आशीष भारती पर गंभीर आरोप, सरकार की मंशा को खुली चुनौती

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर ,कटनी, मध्य प्रदेश

सागर/छतरपुर। प्रदेश में डॉक्टर डॉक्टर मोहन यादव की सरकार है जहां विकास कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही की बात कर रही है, बाखुदी अच्छा कार्य कर रही है मगर वहीं बुंदेलखंड क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्यों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि विभागीय इंजीनियर आशीष भारती की कार्यशैली ने शासन की मंशा पर ही सवालिया निशान लगा दिए हैं। सूत्रों के हवाले से जानकारी अनुसार, छतरपुर और आसपास के क्षेत्रों में जिन सड़कों का निर्माण आशीष भारती की निगरानी में हुआ, उनमें गुणवत्ता मानकों की खुलेआम अनदेखी की गई। करोड़ों रुपये की लागत से बनने वाली सड़कें समय से पहले उखड़ रही हैं, जबकि आम जनता धूल, गड्ढों और बदहाल यातायात से परेशान है। बताया जा रहा है कि इंजीनियर आशीष भारती का विभाग में इतना रसूख है कि संभागीय स्तर के अधिकारी भी उसके खिलाफ बोलने से बचते हैं। आरोप यह भी हैं कि वह खुलेआम कहता है कि "काम नियम और मानकों से नहीं, मेरे हिसाब से होगा।" यही वजह है कि सड़क निर्माण से जुड़ी कई शिकायतें विभागीय फाइलों में दबकर रह गईं। सूत्र यह भी बताते हैं कि आशीष भारती लंबे समय से मनचाहे पदों पर जमे हुए हैं और विभागीय जांच के बावजूद प्रभावशाली संरक्षण के चलते कार्रवाई से बचे हुए हैं। वर्तमान में सागर से अटैचमेंट होने के बावजूद छतरपुर क्षेत्र के विकास कार्यों में उनका हस्तक्षेप लगातार बना हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से कतर का गैस निर्यात ठप, इकोनॉमी 8.6% गिर सकती है

दोहा। कतर फारस की खाड़ी में मौजूद एक छोटा-सा रेगिस्तानी देश था, जहां ज्यादातर लोग मोती निकालने और समुद्र से जुड़े छोटे-मोटे कारोबार पर निर्भर थे। फिर प्राकृतिक गैस ने इस देश की किस्मत पूरी तरह बदल दी। कतर ने 90 के दशक में बड़े पैमाने पर LNG यानी लिक्विफाइड नैचुरल गैस बनाकर उसे होर्मुज स्ट्रेट के जरिए दुनियाभर में भेजना शुरू किया। इससे उसे हर साल अरबों डॉलर की कमाई होने लगी। सिर्फ 30 साल में वह दुनिया के सबसे अमीर देशों में शामिल हो गया। लेकिन 28 फरवरी के बाद अचानक सब बदल गया। जंग शुरू होने के बाद होर्मुज स्ट्रेट बंद हो गया और कतर की दुनिया तक पहुंच लगभग कट गई है। युद्ध और तनाव की खबरों ने पर्यटन और कारोबार पर भी असर डाला है। इससे देश में मंदी का खतरा बढ़ गया है। भारत भी कतर से भारी मात्रा में प्राकृतिक गैस खरीदता है। अलग-अलग रिपोर्टों के मुताबिक, भारत की कुल LNG आयात का करीब 40% से 47% हिस्सा कतर से आया है। कतर में 1971 में नॉर्थ फील्ड नाम का विशाल गैस भंडार मिला था। इसे दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस भंडारों में गिना जाता है। तब दुनिया में ज्यादातर देशों तक गैस पाइपलाइन के जरिए पहुंचाई जाती थी। समस्या यह थी कि कतर एक छोटा-सा खाड़ी देश है और उससे सीधे यूरोप या एशिया तक पाइपलाइन बिछाना बेहद महंगा और मुश्किल था। तब कतर ने एक बड़ा दांव खेला। उसने अपनी प्राकृतिक गैस को बहुत ज्यादा ठंडा करके तरल, यानी लिक्विड बनाने की तकनीक अपनाई। इसमें गैस को करीब माइनस 162 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा किया जाता है। इतना ठंडा होने पर गैस सिकुड़कर तरल बन जाती है और उसका आकार करीब 600 गुना छोटा हो जाता है। यही LNG यानी लिक्विफाइड नेचुरल गैस कहलाती है। इससे गैस को पाइपलाइन की बजाय जहाजों से दुनियाभर में भेजना संभव हो गया।

अमेरिका में एयर शो के बीच दो लड़ाकू विमान टकराए, चालक दल के चारों सदस्य सुरक्षित, इवेंट रद

वाशिंगटन। अमेरिका के उत्तर पश्चिम क्षेत्र में स्थित इडाहो राज्य में आयोजित गनफाइटर स्काइज एयर शो को रद कर दिया गया। हुआ यूं कि माउंटेन होम एयर फोर्स बेस पर दूसरे दिन का एयर शो शुरू होने से पहले ही दो अमेरिकी लड़ाकू विमान एक-दूसरे से टकरा गए। इससे दोनों में आग लग गई और वह मलबे में बदल गए। आश्चर्यजनक रूप से दोनों विमानों के चालक दल के सभी चार सदस्य सुरक्षित हैं। चारों समय रहते सुरक्षित रूप से बाहर निकलने में सफल रहे। सीबीएस न्यूज और एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, चालक दल के चारों सदस्यों की हालत स्थिर है और सैन्य अड्डे पर मौजूद किसी भी दर्शक या नागरिक को चोट नहीं आई है। यह हादसा अमेरिका के स्थानीय समयानुसार रविवार दोपहर लगभग 12:30 हुआ। आसमान में रोमांच का प्रदर्शन कर रहे यह फाइटर जेट अचानक हवा में एक दूसरे में लिपट कर गिर गए। गिरते ही दोनों में आग लग गई। अमेरिकी प्रशांत बेड़े की नौसेना वायु सेना की प्रवक्ता कमांडर अमेलिया उमयम ने कहा कि यह इलेक्ट्रॉनिक अटैक स्क्वाड्रन 129 के दो अमेरिकी नौसेना के ईए-18जी ग्रोवलर विमान हैं। उन्होंने बताया कि दोनों विमानों के चारों चालक दल के सदस्य सुरक्षित रूप से बाहर निकल गए और दुर्घटना की जांच चल रही है। कमांडर उमयम के अनुसार, ईए-18जी ग्रोवलर को व्हिडबे आइलैंड वॉशिंगटन से इलेक्ट्रॉनिक अटैक स्क्वाड्रन 129 में तैनात किया गया था। यूएस नेवी के अनुसार, हर यूनिट की कीमत लगभग 67 मिलियन डॉलर है। एयर शो की योजना से संबद्ध सिल्वर विंग्स ऑफ इडाहो की मार्केटिंग डायरेक्टर किम साइक्स ने कहा कि सैन्य बेस पर किसी को चोट नहीं आई। सभी लोग सुरक्षित हैं और यही सबसे महत्वपूर्ण बात है। इस सैन्य हवाई अड्डे ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद उसे सील कर दिया गया था। साथ ही एयर शो को भी रद कर दिया गया है। इवेंट के आयोजकों के अनुसार, यह लोकप्रिय एयर शो एविएशन के इतिहास का एक उत्सव है और इसमें आधुनिक सैन्य क्षमताओं की झलक मिलती है। इसमें हवाई प्रदर्शन और पैराशूट जंप भी शामिल हैं।

9 राज्यों में आज 45° पार जाएगा पारा

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ। राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत मैदानी इलाकों के 9 राज्यों में आज भीषण गर्मी का अलर्ट जारी किया गया है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, महाराष्ट्र का विदर्भ-मराठवाड़ा और तेलंगाना भी आज यलो अलर्ट पर है। मौसम विभाग के मुताबिक इन राज्यों में कई जिलों का तापमान 45°C का आंकड़ा पार कर जाएगा। गर्मी का यह दौर पिछले एक हफ्ते से जारी है। रविवार को UP का बांदा 46.4°C के साथ देश का सबसे गर्म शहर रहा। राजस्थान के बीकानेर-बाड़मेर में पारा 45°C और MP के खंडवा में 44.5°C रिकॉर्ड किया गया। इधर, बिहार में कई जिलों में उमस भरी गर्मी है तो कुछ जगह बारिश हो रही है। शेखपुरा के कस्तूरबा स्कूल में गर्मी के कारण 27 छात्राएं बेहोश होकर गिर पड़ीं। सभी को शेखपुरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। देश के बाकी हिस्सों की बात करें तो केरलम, तमिलनाडु, कर्नाटक, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश हो सकती है।

वडोदरा से दिल्ली जा रही इंडिगो फ्लाइट में लाइट गुल, अंधेरे और गर्मी में बेहाल हुए पैसेंजर्स

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा में रविवार रात इंडिगो की फ्लाइट (6E 657) में बिजली गुल हो गई। विमान का ग्राउंड पावर यूनिट (GPU) अचानक बंद हो जाने से ये हालात बने। इसके चलते पैसेंजर्स को अंधेरे और भारी उमस में परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ यात्रियों की तबीयत बिगड़ने लगी थी। एक पैसेंजर ने अपने मोबाइल से ये वीडियो रिकॉर्ड कर लिया था, जो अब वायरल हो रहा है। 25 मिनट बाद लाइट बिजली सप्लाई हुई शुरू रविवार रात को इंडिगो की फ्लाइट नंबर 6E657 वडोदरा से दिल्ली रवाना होने की तैयारी में थी। इसी बीच 8:50 बजे अचानक फ्लाइट की बिजली गुल हो गई। करीब 25 मिनट बाद बिजली की सप्लाई दोबारा शुरू हो सकी। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने बताया कि प्लेन का जीपीयू (ग्राउंड पावर यूनिट) में तकनीकी समस्या आ गई थी। इससे ये हालात बने। एयरपोर्ट पर जीपीयू का काम क्या है? जब कोई विमान रनवे या टर्मिनल पर खड़ा होता है, तो उसके मुख्य इंजन बंद कर दिए जाते हैं। इंजन बंद होने पर भी ग्राउंड पावर यूनिट (जीपीयू) प्लेन के अंदर महत्वपूर्ण प्रणालियों, जैसे कॉकपिट इंस्ट्रूमेंट्स (डिस्प्ले और नेविगेशन), केबिन लाइटिंग, एयर कंडीशनिंग (तापमान बनाए रखने के लिए) और इंजन को दोबारा चालू करने के लिए आवश्यक बिजली प्रदान करता है।

खुद पर 11 बार चाकू घोंपा, गला काटा, मौत

भोपाल। भोपाल के सोनागिरी में रविवार सुबह एक शख्स ने अपने लिव-इन पार्टनर के सिर पर हथौड़े से हमला कर दिया। महिला को मरा समझकर खुद सुसाइड कर लिया। शख्स ने चाकू से 2 बार अपना गला रेता, फिर पेट में 11 बार चाकू घोंप लिया। करीब 5 मिनट तड़पने के बाद मौत हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान लक्ष्मण प्रसाद रिछारिया (50) के रूप में हुई है। वह सोनागिरी इलाके में एक महिला के साथ लिव-इन में रहता था। हथौड़े से हमला होने के कारण महिला की हालत गंभीर है। अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। वारदात का वीडियो एक राहगीर ने मोबाइल फोन से रिकॉर्ड किया। वीडियो में आसपास मौजूद लोग पुलिस को फोन करने की बात करते सुनाई दे रहे हैं। हालांकि, किसी ने आरोपी को रोकने या उससे चाकू छीनने की हिम्मत नहीं दिखाई। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक, सबकुछ इतनी तेजी से हुआ कि लोग समझ नहीं पाए कि क्या हो रहा है। कुछ लोग दूर खड़े होकर देखते रहे, जबकि आरोपी लगातार खुद को चाकू मारता रहा। एडिशनल डीसीपी गौतम सोलंकी के मुताबिक, लक्ष्मण प्रसाद रिछारिया सोनागिरी के सी सेक्टर झुग्गी बस्ती का रहने वाला था। वह पेशे से ड्राइवर था। करीब पांच साल पहले उसकी पत्नी की मौत हो चुकी थी, तभी से वह कल्पना के साथ लिव-इन में रह रहा था।

अमित शाह ने छग के नेतानार में किया "वीर गुंडाधूर सेवा डेरा" का उद्घाटन

एजेंसी, जगदलपुर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह अपने अपने तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के तहत सोमवार को दूसरे दिन बस्तर जिले के ग्राम नेतानार स्थित सीआरपीएफ कैम्प पहुंचे। यहां उन्होंने बलिदान वीर गुंडाधूर सेवा डेरा (जन सुविधा केंद्र) का उद्घाटन किया। इस केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों को अब गांव में ही आधार अपडेट, ई-केवाईसी, मोबाइल नंबर अपडेट, जन्म, आय और जाति प्रमाण पत्र जैसी ऑनलाइन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने धान ढेकी प्रशिक्षण केंद्र में ग्रामीण महिलाओं से चर्चा की। ढेकी के माध्यम से चांवल उत्पादन एवं उसकी बिक्री से ग्रामीणों महिलाओं की आय वृद्धि तो होगी साथ ही निकलने वाली धान की भूसी से पशुओं को पौष्टिक आहार भी मिलेगा। उन्होंने इमली प्रसंस्करण केंद्र में प्रशिक्षण पा रही स्व सहायता समूह की महिलाओं से जाना कि कैसे वे इमली बिक्री कर अपनी आय में वृद्धि कर रही हैं। उन्होंने बस्तर की इमली का स्वाद चखा और कहा कि यहां की इमली का जवाब नहीं। समूह की लंबी नाग ने बताया कि इस समूह से जुड़कर वे सालाना एक लाख रुपये तक आय अर्जित कर सकेंगी। गुंडाधूर महिला स्व सहायता समूह में महिलाएं इमली का प्रसंस्करण करके उच्च गुणवत्ता युक्त इमली पल्प तैयार कर रही हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री ने सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण पा रही महिलाओं से भी मुलाकात की। यहां पर महिलाओं को बेसिक एवं एडवांस सिलाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विजय कुमारी ने बताया कि यहां से सिलाई सीखने के बाद वे अच्छे से अपने परिवार का पालन पोषण कर पाएंगी। यहां वे ग्राम नेतानार निवासी सुखदेवी से मिले। उसने बताया कि उन्होंने अभी अपनी पांच माह की बेटी पद्मा का

♦ ग्रामीणों को मिली डिजिटल सुविधाएं

आधार कार्ड बनवाया है। आधार सेवा केंद्र खुलने से पहले उन्हें 10 किलोमीटर पैदल चलकर नानगुर तक जाना पड़ता था। अब यहां पर ग्रामीणों को नया आधार अपडेट, केवायसी, मोबाइल नम्बर अपडेट, ई-आधार जैसी सुविधाएं मिल सकेंगी। सेवा सेतु केंद्र में सोनामनी ने बताया कि वे बहुत दिन महतारी वंदन योजना का ई केवाईसी कराना चाहती थीं लेकिन दूरी अधिक होने के कारण वे जा नहीं पा रहीं थीं। गांव में ही केंद्र खुल जाने के कारण आज ही उन्होंने ई केवायसी करा लिया है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, मुख्य सचिव विकासशील एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट बोला- उमर खालिद को बेल मिल सकती थी

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली दंगा साजिश मामले में जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद को जमानत देने से इनकार करने वाले अपने पिछले फैसले पर आपत्ति जताई। कोर्ट ने सोमवार को यह बयान सैयद इफ्तिखार अंद्राबी से जुड़े नार्को-टेररिज्म मामले पर सुनवाई के दौरान दिया। कोर्ट ने माना कि किसी आरोपी को बेल देना एक नियम है, उसे जेल भेजना अपवाद होना चाहिए।

जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस बीवी नागरत्ना की बेंच ने केए नजीब मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जिक्र किया। बेंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 2021 में माना था कि मौलिक अधिकार का उल्लंघन होने पर अदालतें गैर-कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (UAPA) मामलों में जमानत दे सकती हैं। कोर्ट ने कहा खालिद की जमानत याचिका खारिज करते समय कोर्ट ने इस फैसले पर ध्यान नहीं दिया था। 2019 से 2023 के बीच पूरे भारत में UAPA मामलों में सिर्फ 1.5%-4% लोगों को सजा हुई। यानी लगभग 94% मामलों में बरी होने की संभावना होती है।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि जब कोई बड़ी बेंच फैसला सुना देती है तो छोटी बेंच को उसे मानना ही पड़ेगा। आजकल ऐसा देखा जा रहा है कि छोटी बेंच सीधे-सीधे मना तो नहीं करतीं, लेकिन घुमा-फिराकर बड़े फैसले के असर को कमजोर कर देती हैं। इस साल 4 जनवरी को जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने फैसले को रीव्यू करने से भी मना कर दिया था। कहा था कि दोनों आरोपी एक साल तक दिल्ली दंगे मामले में जमानत याचिका दाखिल नहीं कर सकते। दरअसल, उमर खालिद, शरजील इमाम, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद दिल्ली दंगों के आरोप में 5 साल 3 महीने से तिहाड़ में हैं।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का दिया नोटिस

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद और महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ राज्यसभा में विशेषाधिकार हनन का नोटिस दाखिल किया है। यह नोटिस राज्यसभा की कार्यवाही एवं कार्य संचालन नियमावली के नियम 187 के तहत राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन को सौंपा गया है।

कांग्रेस नेता ने अपने नोटिस में आरोप लगाया है कि 15 मई को आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान शिक्षा मंत्री ने एनईईटी-यूजी पेपर लीक मामले पर संसदीय स्थायी समिति की सिफारिशों को लेकर टिप्पणी करने से इनकार किया और समिति की बहुदलीय प्रकृति पर सवाल उठाए। जयराम रमेश के अनुसार, मंत्री की यह टिप्पणी संसद और उसकी समितियों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली है। नोटिस में कहा गया है कि संसदीय समितियों को संसद का विस्तार माना जाता है और इन्हें "मिनी संसद" भी कहा जाता है। ऐसे में किसी समिति के प्रति अपमानजनक या अवमाननापूर्ण टिप्पणी को सदन की अवमानना माना जा सकता है।

रमेश ने आरोप लगाया कि शिक्षा मंत्री ने जानबूझकर समिति की प्रतिष्ठा को कमतर दिखाने का प्रयास किया। कांग्रेस सांसद ने इसे संसदीय विशेषाधिकार का गंभीर उल्लंघन बताते हुए सभापति से आग्रह किया है कि इस मामले में धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही शुरू की जाए।

69000 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों का अनोखा प्रदर्शन कीड़े-मकौड़े की तरह रेंगते हुए मंत्री आवास पहुंचे

एजेंसी, लखनऊ

69000 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने सोमवार को शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी मंत्री के आवास से करीब 100 मीटर पहले इकट्ठा हुए। जमीन पर कीड़े-मकौड़े की तरह रेंगते हुए मंत्री के आवास तक पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा- हम लोग सरकार की नजर में कीड़े-मकौड़े हो चुके हैं। हमारी कहीं कोई सुनवाई नहीं है। इसलिए आज हम लोग कीड़ों की तरह रेंगते हुए मंत्री के आवास पर पहुंचे। भीषण गर्मी की वजह से कई अभ्यर्थी बेहोश हो गए। पुलिस ने उन्हें पानी पिलाया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस प्रदर्शन को लेकर एक्स पर पोस्ट किया है। प्रदर्शनकारियों का वीडियो पोस्ट करके हुए लिखा कि संविधान द्वारा दिए गए आरक्षण के अधिकार को मारने वाली भाजपा का अहंकार आज अंदर-ही-अंदर बहुत खुश होगा कि सदियों से वंचित, शोषित, पीड़ित समाज आज भी उनके वर्चस्व के आगे दंडवत होकर याचना कर रहा है, लेकिन अपने प्रभुत्व के घमंड में चूर भाजपाई और उनके संगी-साथी ये भी याद रखें कि जब आग्रह हार जाता है,

♦ लखनऊ में कई बेहोश हुए

तब इंसान सीमाएं लांघ जाता है।

'हम सभी सामूहिक आत्मदाह करेंगे' बनारस से आए कैलाश नाथ मौर्या ने कहा- हम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से बस यही कहना चाहते हैं कि हम अब अपना धैर्य खो चुके हैं। हमारे अंदर बिल्कुल भी सहन शक्ति नहीं बची है। हम लोग घर से हार चुके हैं और अब सरकार से भी उम्मीद नहीं रही है। यह अंतिम फरियाद है। सुनवाई नहीं हुई तो हम सभी अभ्यर्थी सामूहिक तौर पर आत्मदाह करेंगे। एक छोटी सी खेती है, उसी से घर का खर्च चलता है।

कोलकाता में पुलिस पर पथराव, 3 जवान घायल 40 गिरफ्तार, अतिक्रमण हटाने के विरोध में प्रदर्शन

एजेंसी, कोलकाता

कोलकाता में रविवार को पार्क सर्कस इलाके में अतिक्रमण हटाने के खिलाफ लोगों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस पर पथराव भी हुआ, जिसमें 3 पुलिसकर्मी घायल हो गए। सुरक्षाबलों की गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई। बंगाल के CM शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि मामले में अब तक 40 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिसवालों पर हमले बर्दाश्त नहीं करेंगे। कानून तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रअसल पार्क सर्कस सेवन प्वाइंट क्रॉसिंग के पास बड़ी संख्या में लोग एंटी-एन्क्रोचमेंट ड्राइव के विरोध में जुटे थे। उन्होंने सड़क जाम करने की कोशिश की। पुलिस जब भीड़ को हटाने पहुंची, तो पथराव शुरू हो गया। कोलकाता के तिलजला इलाके में पिछले हफ्ते एक फैक्ट्री में आग लगने से 2 लोगों की मौत हुई थी।

इसके बाद प्रशासन ने इलाके में अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर चलाया। पार्क सर्कस में जुटे लोग इसी का विरोध कर रहे थे।

ममता बोलीं- बंगाल बुलडोजर राजनीति में यकीन नहीं करता: पूर्व सीएम और TMC प्रमुख बनर्जी ने X पर लिखा- बंगाल बुलडोजर राजनीति में यकीन नहीं करता। टैगोर और नेताजी की धरती पर आम नागरिकों के खिलाफ डर, बल और तोड़फोड़ के जरिए शासन नहीं चलाया जा सकता। उन्होंने कहा कि घरों से लेकर फेरीवालों के ठेलों तक, गरीब राजनीतिक अहंकार की कीमत चुका रहे हैं। आज जो हो रहा है, वह उन लोगों की जिंदगी पर हमला है। सरकार इंसानों से ज्यादा दिखावे की परवाह कर रही है।

CPI ने कहा- BJP को सत्ता का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए: CPI महासचिव डी राजा ने कहा कि बंगाल में बहुत कुछ हो

♦ सीएम शुभेंदु बोले- पुलिसवालों पर हमले बर्दाश्त नहीं करेंगे

रहा है। हमने चुनाव बाद हिंसा देखी। अब बुलडोजर का इस्तेमाल देखा। चुनाव खत्म हो चुके हैं। लोगों ने जो जनादेश दिया है, उसी के मुताबिक सरकार को काम करना होगा। उन्होंने कहा कि BJP को अपनी सत्ता का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। जो भी किया जाए, वह संविधान के अनुरूप हो और संवैधानिक मर्यादा बनी रहे।

BJP विधायक बोले-बुलडोजर नीतियों पर भी चलता है: हावड़ा में बुलडोजर कार्रवाई पर BJP विधायक भास्कर भट्टाचार्य ने कहा कि बुलडोजर सिर्फ घरों पर नहीं, नीतियों पर भी चलता है। यह TMC की गलत प्रथाओं के खिलाफ इस्तेमाल हो रहा है और कानून के तहत ही होगा।

त्रिपुरा में भारत-बांग्लादेश सीमा पर सड़क हादसा

एजेंसी, धलाई (त्रिपुरा)

त्रिपुरा के धलाई जिला स्थित लोंगताराई वैली उपखंड में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट रविवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पत्थर के चिप्स से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे चार मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, ट्रक चावमानु से बीजू बॉर्डर आउट पोस्ट की ओर निर्माण सामग्री लेकर जा रहा था। सीमा क्षेत्र में चल रहे आधारभूत ढांचा निर्माण कार्य के लिए पत्थर के चिप्स पहुंचाए जा रहे थे। इसी दौरान खराब और खड़ी चढ़ाई वाले रास्ते पर ट्रक संतुलन खो बैठा। अधिकारियों ने बताया कि ट्रक चढ़ाई पार नहीं कर सका और पीछे की ओर लुढ़कते हुए पलट गया। ट्रक के ऊपर पत्थरों के ढेर पर बैठे मजदूर सड़क

♦ ट्रक पलटने से चार मजदूरों की मौत और छह घायल

पर गिर पड़े। इसके बाद भारी मात्रा में पत्थर उनके ऊपर आ गिरे, जिससे वे दब गए। हादसे में ट्रक के ऊपर बैठे चार मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि केबिन में बैठे लोगों ने किसी तरह अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

भुवनेश्वर में 19 मई को होगा पूर्वी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन

एजेंसी, नई दिल्ली

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय 19 मई को भुवनेश्वर में पूर्वी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे। सम्मेलन में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी समेत विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक, किसान प्रतिनिधि, कृषि विशेषज्ञ, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), स्टार्टअप, बैंक और अन्य हितधारक भाग लेंगे।

सोमवार को मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र के समग्र विकास, किसानों की आय में वृद्धि और केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। इसके साथ ही कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा भी की जाएगी।

सम्मेलन के दौरान किसान रजिस्ट्री की प्रगति, बागवानी क्षेत्र की संभावनाएं, दलहन क्षेत्र में आत्मनिर्भरता मिशन, राष्ट्रीय खाद्य तेल-तिलहन मिशन, पीएम-आशा, राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन, फार्म क्रेडिट और किसान क्रेडिट कार्ड जैसे अहम विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी। इसके अलावा नकली कीटनाशकों और उर्वरकों पर नियंत्रण, उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने, संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा देने और वैकल्पिक उर्वरकों के इस्तेमाल जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

शुभेंदु सरकार का बड़ा फैसला, ममता बनर्जी की चलाई मजहब आधारित योजनाएं जून से बंद होंगी

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने सोमवार को बड़ा नीतिगत फैसला लेते हुए राज्य में मजहब आधारित सभी सरकारी कल्याण योजनाओं को जून महीने से बंद करने की घोषणा की। यह निर्णय नवान्न में आयोजित नई सरकार की दूसरी मंत्रिमंडल बैठक में लिया गया। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद महिला एवं बाल विकास मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने प्रेसवार्ता में बताया कि सूचना एवं संस्कृति विभाग तथा अल्पसंख्यक कार्य एवं मदरसा शिक्षा विभाग के तहत मजहब के आधार पर संचालित सभी सहायता योजनाएं अगले महीने से समाप्त कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि मई महीने तक लाभार्थियों को योजनाओं का फायदा मिलता रहेगा, लेकिन जून से इन्हें पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। सरकार जल्द ही इस संबंध में विस्तृत अधिसूचना जारी करेगी। हालांकि, दुर्गा पूजा समितियों को दिए जाने वाले अनुदान को लेकर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। नई सरकार के गठन के तुरंत बाद लिए गए इस

फैसले को भाजपा सरकार के बड़े नीतिगत निर्णयों में माना जा रहा है। विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया था और "भत्ता नीय, भात चाई" का नारा दिया था।

राजनीतिक जानकारों के मुताबिक इस फैसले का असर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कार्यकाल में शुरू की गई कई योजनाओं पर पड़ेगा। इनमें इमामों, मुअज्जिनों और हिंदू पुजारियों को दिए जाने वाले मासिक भत्ते भी शामिल हैं। पूर्व व्यवस्था के तहत इमामों को प्रति माह 3000 रुपये, मुअज्जिनों को 1500 रुपये और हिंदू सनातन ब्राह्मण पुजारियों को भी 1500 रुपये मासिक सहायता राशि दी जाती थी। आर्थिक रूप से कमजोर लाभार्थियों को बंगाल आवास योजना के तहत आवास सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती थी। इस नीति की शुरुआत अप्रैल, 2012 में हुई थी, जब ममता बनर्जी सरकार ने इमामों और मुअज्जिनों के लिए मासिक मानदेय योजना लागू की थी। बाद में इस योजना को लेकर राजनीतिक विवाद और कानूनी चुनौती भी सामने आई थी।

सितंबर, 2013 में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मुस्लिम धर्मगुरुओं को सीधे सरकारी भत्ता दिए जाने की व्यवस्था को रद्द कर दिया था। अदालत ने कहा था कि करदाताओं के धन का उपयोग किसी विशेष धार्मिक समुदाय के पक्ष में भेदभावपूर्ण तरीके से नहीं किया जा सकता। इसके बाद राज्य सरकार ने वक्फ बोर्ड के माध्यम से भुगतान व्यवस्था लागू की थी।

पेपर लीक प्रकरण- केमिस्ट्री, बायोलॉजी टीचरों सहित पूर्व टीचर कोचिंग संस्थान का मालिक गिरफ्तार -''घर का भेदी लंका ढाए'' से ''कोचिंग उद्योग की काली अर्थव्यवस्था'' तक -भारती,य परीक्षा प्रणाली के सामने सबसे बड़ा संकट

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» परीक्षा केंद्रों पर ब्लूटूथ डिवाइस माइक्रो ईयरफोन और सॉल्वर गैंग क्री सक्रियता क्रा पूरा नेटवर्क दर्शाता है परीक्षा अपराध अब स्थानीय स्तर का धोखा नहीं, अत्यंत संगठित एग्जाम माफिया इकोसिस्टम'' बन चुका है

» नीट यूजी परीक्षा लीक प्रकरण केस में दिनांक 18 मई 2026 तक रसायन और जीव शास्त्र विषय के टीचरों व नामी कोचिंग क्लास संस्थान के मलिक जो पूर्व में टीचर था सहित अनेक राज्यों से 10 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी से सिस्टम पर प्रश्न चिन्ह? -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश है। करोड़ों विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से अपने भविष्य का निर्माण करना चाहते हैं।डॉक्टर, इंजीनियर,प्रशासनिकअधिकारी वैज्ञानिक और प्रोफेशनल बनने के सपने लेकर युवा वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं। लेकिन जब किसी राष्ट्रीय परीक्षा का प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले बाजार में बिकता हुआ दिखाई देता है,जब पुलिस और जांच एजेंसियां केमिस्ट्री टीचर,कोचिंग संस्थान संचालकों, तकनीकी विशेषज्ञों और परीक्षा तंत्र से जुड़े लोगों को गिरफ्तार करती हैं, तब केवल एक परीक्षा नहीं टूटती बल्कि देश की मेरिट आधारित व्यवस्था पर जनता का विश्वास भी दरकने लगता है। हाल के वर्षों में बार-बार सामने आए पेपर लीक मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत में परीक्षा प्रणाली अब केवल प्रशासनिक चुनौती नहीं रह गई है, बल्कि यह एक संगठित आर्थिक अपराध, तकनीकी अपराध और नैतिक पतन का संयुक्त संकट बन चुका है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि आज स्थिति यह है कि पेपर लीक प्रकरणों को लेकर आम नागरिकों के बीच यह धारणा बनने लगी है कि ''घर का भेदी लंका ढाए।''अर्थात यदि प्रश्नपत्र लीक हो रहा है तो यह केवल बाहरी अपराधियों का काम नहीं हो सकता। इसके पीछे कहीं न कहीं सिस्टम के भीतर बैठे लोग,संवेदनशील डेटा तक पहुंच रखने वाले कर्मचारी, प्रिंटिंग प्रेस से जुड़े तत्व, डिजिटल सर्वर संभालने वाले तकनीकी विशेषज्ञ, परिवहन श्रृंखला से जुड़े लोग अथवा परीक्षा केंद्रों से जुड़े अधिकारी शामिल हो सकते हैं। यही वह बिंदु है जहां भारतीय परीक्षा प्रणाली की सबसे बड़ी कमजोरी उजागर होती है, सुरक्षा तंत्र बाहर से कम और भीतर से अधिक टूट रहा है। अभी हाल ही में नीट यूजी परीक्षा लीक प्रकरण केस में दिनांक 18 में 2026 तक रसायन और जीव शास्त्र विषय के टीचरों व नामी कोचिंग क्लास संस्थान के मलिक जो पूर्व में टीचर भी था सहित अनेक राज्यों से 10 से अधिक लोगों की सटीक गिरफ्तारी हो चुकी है। साथियों, पिछले कुछ वर्षों में मेडिकल, इंजीनियरिंग, शिक्षक भर्ती, पुलिस भर्ती, रेलवे भर्ती और राज्य स्तरीय भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक के अनेक मामले सामने आए। कई मामलों में जांच एजेंसियों ने पाया कि प्रश्नपत्र परीक्षा से कई घंटे पहले व्हाट्सऐप, टेलीग्राम या गुप्त डिजिटल नेटवर्क के माध्यम से प्रसारित किए गए। कहीं प्रिंटिंग प्रेस से कॉपी बाहर निकाली गई, कहीं एन्क्रिप्टेड फाइल तक अवैध पहुंच बनाई गई, तो कहीं परीक्षा केंद्रों पर

ब्लूटूथ डिवाइस, माइक्रो ईयरफोन और सॉल्वर गैंग सक्रिय पाए गए। यह पूरा नेटवर्क दर्शाता है कि परीक्षा अपराध अब स्थानीय स्तर का धोखा नहीं, बल्कि अत्यंत संगठित ''एग्जाम माफिया इकोसिस्टम'' बन चुका है।भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव असाधारण है। एक सीट के लिए हजारों से लेकर लाखों उम्मीदवार प्रतिस्पर्धा करते हैं।मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं में तो स्थिति और अधिक तनावपूर्ण है।सीमित सरकारी सीटें, अत्यधिक फीस वाले निजी कॉलेज, परिवारों की अपेक्षाएं और सामाजिक प्रतिष्ठा का दबाव विद्यार्थियों को मानसिक रूप से अत्यंत संवेदनशील बना देता है। ऐसे माहौल में यदि कोई गिरोह ''रैंक दिलाने'' या ''पेपर उपलब्ध कराने'' का दावा करता है, तो कुछ लोग लालच, भय या निराशा में उसके जाल में फंस जाते हैं। यही वह सामाजिक मनोविज्ञान है जिसका फायदा अपराधी सटीक रूप से नेटवर्क उठाते हैं। साथियों कोचिंग उद्योग का विस्तार इस पूरे संकट का एक महत्वपूर्ण आयाम है। भारत में कोचिंग अर्थव्यवस्था हजारों करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है। राजस्थान का कोटा, दिल्ली का मुखर्जी नगर, पटना, हैदराबाद, पुणे, इंदौर और कई अन्य शहर शिक्षा आधारित व्यावसायिक केंद्रों में बदल चुके हैं। यहां लाखों विद्यार्थी तैयारी के लिए आते हैं। अधिकांश कोचिंग संस्थान ईमानदारी से शिक्षा प्रदान करते हैं और छात्रों की मेहनत को दिशा देते हैं। लेकिन इसी विशाल उद्योग के भीतर कुछ लालची तत्वों पर यह आरोप लगता रहा है कि उन्होंने शिक्षा को ''रैंक खरीदो'' मॉडल में बदलने की कोशिश की। जब सफलता को उत्पाद और रैंक को व्यापारिक ब्रांड बना दिया जाता है,तब नैतिक सीमाएं कमजोर पड़ने लगती हैं।कुछ जांचों में यह आरोप सामने आया कि कुछ कोचिंग संचालकों ने अपने संस्थान की सफलता दर बढ़ाने के लिए अवैध नेटवर्क से संपर्क बनाए। यदि किसी संस्थान के छात्र बड़ी संख्या में शीर्ष रैंक प्राप्त करते हैं, तो अगले वर्ष उस संस्थान में प्रवेश लेने वालों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। फीस बढ़ती है, ब्रांड वैल्यू बढ़ती है और निवेशकों का विश्वास मजबूत होता है। ऐसे में कुछ भ्रष्ट मानसिकता वाले लोग शिक्षा को सेवा नहीं बल्कि शुद्ध व्यवसाय मानकर किसी भी हद तक जाने को तैयार हो जाते हैं। यही वह बिंदु है जहां शिक्षा का पवित्र क्षेत्र अपराध और लालच की प्रयोगशाला बनने लगता है।''घर का भेदी लंका ढाए'' वाली कहावत यहां पूरी तरह लागू होती है। प्रश्नपत्र निर्माण से लेकर परीक्षा केंद्र तक की पूरी प्रक्रिया में कई स्तर शामिल होते हैं पेपर सेटिंग, मॉडरेशन, प्रिंटिंग, पैकेजिंग, ट्रांसपोर्टेशन, डिजिटल स्टोरेज, परीक्षा केंद्र वितरण और मूल्यांकन। यदि इनमें से किसी भी स्तर पर कोई व्यक्ति भ्रष्ट हो जाए, तो पूरा सिस्टम खतरे में पड़ जाता है। यही कारण है कि केवल बाहरी सुरक्षा बढ़ा देने से समस्या समाप्त नहीं होती। असली सटीक चुनौती ''इनसाइडर थ्रेट'' यानें भीतर बैठे खतरे से निपटना है। साथियों डिजिटल युग ने परीक्षा सुरक्षा को जितना मजबूत किया है, उतना ही जटिल भी बना दिया है। पहले पेपर फोटोकॉपी या फैक्स के माध्यम से लीक होते थे, अब एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप, क्लाउड

स्टोरेज, स्क्रीन शेयरिंग और डार्क वेब जैसी तकनीकों का उपयोग होने लगा है। साइबर अपराधियों और तकनीकी विशेषज्ञों की संलिप्तता ने जांच एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। कई बार प्रश्नपत्र का स्क्रीनशॉट कुछ ही मिनटों में हजारों लोगों तक पहुंच जाता है। यह डिजिटल स्पीड प्रशासनिक प्रतिक्रिया से कहीं अधिक तेज होती है।पेपर लीक का सबसे बड़ा नुकसान उन करोड़ों ईमानदार छात्रों को होता है जो वर्षों की मेहनत के बाद परीक्षा में बैठते हैं। जब परीक्षा रद्द होती है, तो छात्रों की मानसिक स्थिति पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। पुनर्परीक्षा का तनाव, आर्थिक बोझ, तैयारी की अनिश्चितता और भविष्य को लेकर भय विद्यार्थियों को अंदर तक तोड़ देता है। कई छात्रों के परिवार कर्ज लेकर कोचिंग और हॉस्टल का खर्च उठाते हैं। ऐसे में परीक्षा रद्द होना केवल प्रशासनिक घटना नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक त्रासदी भी बन जाती है। साथियों यह समस्या केवल भारत तक सीमित नहीं है। चीन, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और अफ्रीकी देशों में भी परीक्षा धोखाधड़ी के मामले सामने आए हैं। चीन में ''गाओकाओ'' जैसी कठिन परीक्षा के दौरान ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और हाईटेक चीटिंग रोकने के लिए अत्यंत कड़े कदम उठाए जाते हैं। दक्षिण कोरिया में विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा के दिन पूरे देश की यातायात व्यवस्था तक नियंत्रित की जाती है ताकि परीक्षा प्रक्रिया प्रभावित न हो। कई देशों में प्रश्नपत्र निर्माण और वितरण के लिए सैन्य स्तर की सुरक्षा प्रणाली अपनाई जाती है। भारत को भी अब पारंपरिक प्रशासनिक मॉडल से आगे बढ़कर ''नेशनल एग्जाम सिक्योरिटी आर्किटेक्चर'' विकसित करना होगा।भारत में पेपर लीक केवलअपराध नहीं बल्कि लोकतांत्रिक समानता पर हमला है।प्रतियोगी परीक्षाएं समाज के गरीब और मध्यम वर्ग के लिए अवसर का सबसे बड़ा माध्यम होती हैं। गांव का छात्र भी परीक्षा के माध्यम से डॉक्टर, इंजीनियर या अधिकारी बन सकता है। लेकिन यदि परीक्षा प्रणाली भ्रष्ट हो जाए तो सामाजिक गतिशीलता रुक जाती है और प्रतिभा की जगह पैसे तथा संपर्क का प्रभाव बढ़ने लगता है। इससे युवाओं में निराशा और व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है। साथियों जांच एजेंसियों की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हाल के मामलों में पुलिस, साइबर सेल और केंद्रीय एजेंसियों ने कई राज्यों में छापेमारी कर शिक्षकों, तकनीकी विशेषज्ञों और कोचिंग संचालकों को गिरफ्तार किया। कई बार करोड़ों रुपए के लेनदेन फर्जी बैंक खातों और हवाला नेटवर्क तक के संकेत मिले। इससे यह स्पष्ट होता है कि पेपर लीक अब ''लो-लेवल करप्शन'' नहीं बल्कि ''हाई-वैल्यू ऑर्गेनाइज्ड क्राइम'' का स्वरूप ले चुका है।सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि क्या केवल गिरफ्तारियों से समस्या समाप्त हो जाएगी? उत्तर है, नहीं। यदि सिस्टम की संरचनात्मक कमजोरियों को नहीं सुधारा गया तो नए गिरोह पुराने गिरोहों की जगह ले लेंगे। भारत को परीक्षा सुरक्षा के लिए बहुस्तरीय सुधारों की आवश्यकता है। प्रश्नपत्र निर्माण और वितरण में ब्लॉकचेन आधारित ट्रैकिंग, एआई आधारित मॉनिटरिंग, सीमित एक्सेस कंट्रोल, बायोमेट्रिक सत्यापन और रियल टाइम साइबर निगरानी जैसे उपाय अपनाने होंगे। साथ ही प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही तय करनी होगी। साथियों कोचिंग उद्योग के लिए भी स्पष्ट नियामक ढांचा आवश्यक है। वर्तमान में अनेक कोचिंग संस्थान विशाल कारोबारी नेटवर्क बन चुके हैं, लेकिन उनकी निगरानी सीमित है। यदि किसी संस्थान का नाम बार-बार अनियमितताओं में आता है, तो उसकी वित्तीय और प्रशासनिक जांच अनिवार्य होनी चाहिए। शिक्षा मंत्रालय और राज्य सरकारों को ''कोचिंग रेगुलेटरी अथॉरिटी'' जैसी संस्थाओं पर विचार करना चाहिए जो पारदर्शिता, फीस, विज्ञापन दावों और परीक्षा संबंधित आचरण की निगरानी करें।मीडिया की भूमिका भी दोधारी है। एक ओर मीडिया पेपर लीक मामलों को उजागर कर व्यवस्था पर दबाव बनाता है, दूसरी ओर कई बार ''टॉपर कल्चर'' और अवास्तविक सफलता कथाओं को बढ़ावा देकर सामाजिक दबाव बढ़ा देता है। जब हर सफलता को करोड़ों के पैकेज और रैंक की भाषा में प्रस्तुत किया जाता है, तब शिक्षा का मूल उद्देश्य पीछे छूटने लगता है। समाज को भी यह समझना होगा कि सफलता का एकमात्र रास्ता मेडिकल या इंजीनियरिंग परीक्षा नहीं है। आज आवश्यकता केवल कानूनों की नहीं बल्कि नैतिक पुनर्निर्माण की भी है। यदि शिक्षक, अधिकारी और तकनीकी विशेषज्ञ अपने दायित्व को केवल नौकरी नहीं बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी समझें, तभी सुधार संभव है। एक शिक्षक का अपराध केवल कानूनी अपराध नहीं बल्कि पीढ़ियों के भविष्य के साथ विश्वासघात है। जब कोई शिक्षक या सिस्टम से जुड़ा व्यक्ति प्रश्नपत्र बेचता है, तो वह केवल कागज नहीं बेचता बल्कि मेहनत, सपने और सामाजिक न्याय को भी बेच देता है। साथियों, सरकार ने विभिन्न स्तरों पर परीक्षा सुधारों की दिशा में कदम उठाए हैं, लेकिन चुनौती का आकार कहीं अधिक बड़ा है। पेपर लीक विरोधी कठोर कानून, संपत्ति जब्ती, तेज ट्रायल, डिजिटल निगरानी और राष्ट्रीय परीक्षा सुरक्षा एजेंसी जैसे विकल्पों पर गंभीरता से काम करना होगा। साथ ही छात्रों और अभिभावकों के लिए हेल्पलाइन तथा मनोवैज्ञानिक सहायता प्रणाली भी मजबूत करनी होगी ताकि परीक्षा रद्द होने की स्थिति में मानसिक संकट कम किया जा सके।भारत यदि ज्ञान आधारित महाशक्ति बनना चाहता है तो उसे अपनी परीक्षा प्रणाली को विश्वसनीय बनाना ही होगा। विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश में यदि प्रतिभा पर विश्वास कमजोर पड़ गया, तो इसका प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि अर्थव्यवस्था, प्रशासन, विज्ञान और सामाजिक स्थिरता तक पहुंचेगा। इसलिए पेपर लीक को सामान्य अपराध मानकर नहीं बल्कि राष्ट्रीय क्षमता और सामाजिक न्याय के खिलाफ संगठित हमला मानकर देखना होगा। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि यह स्पष्ट है कि पेपर लीक प्रकरण केवल कुछ गिरफ्तारियों की खबर नहीं है। यह उस गहरे संकट का संकेत है जहां एक ओर सिस्टम की आंतरिक कमजोरियां हैं और दूसरी ओर शिक्षा को मुनाफे की मशीन बना देने वाली मानसिकता। ''घर का भेदी लंका ढाए'' की कहावत आज भारतीय परीक्षा प्रणाली पर भयावह रूप से लागू होती दिखाई देती है। यदि भीतर बैठे भ्रष्ट तत्वों और बाहर सक्रिय शिक्षा माफिया के गठजोड़ को नहीं तोड़ा गया, तो करोड़ों युवाओं का विश्वास टूटता जाएगा। लेकिन यदि कठोर राजनीतिक इच्छाशक्ति, तकनीकी सुधार, नैतिक जवाबदेही और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था के साथ व्यापक सुधार किए जाएं, तो भारत इस संकट को अवसर में बदल सकता है। तब परीक्षा केवल अंक प्राप्त करने की प्रक्रिया नहीं बल्कि वास्तविक प्रतिभा, मेहनत और समान अवसर का उत्सव बन सकेगी।

-संकलनकर्ता लेखक - क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

सभ्यता संस्कृति, अर्थव्यवस्था और जीवन का आधार हैं नदियां राजेन्द्र सिंह

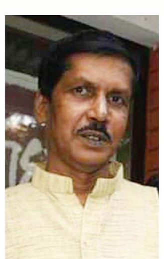

लेखक- कुमार कृष्णन

राजेंद्र सिंह सूखी नदियों को जीवन देने वाले और रेगिस्तान में पानी का जादू बिखेरने वाले जल पुरुष के रूप में विख्यात हैं। उनका स्पष्ट रुप से मानना है कि-धरती की प्यास तभी बुझेगी और मानवता तभी बचेगी, जब हम पानी की हर एक बूंद को सहेजना और प्रकृति का सम्मान करना सीख जाएंगे। राजस्थान के अलवर जिले के सूखे पड़े गांवों से जल संरक्षण की एक ऐसी क्रांति शुरू करने वाले, जिसने पूरी दुनिया को चकित कर दिया— वे नाम हैं राजेंद्र सिंह । मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बागपत (डौला गांव) की माटी में जन्मे राजेंद्र सिंह जी ने आधुनिक सुख-सुविधाओं और सरकारी नौकरी को छोड़कर जल संकट से जूझते भारत के ग्रामीण इलाकों की तकदीर और तस्वीर बदल दी। राजेंद्र सिंह और उनकी संस्था तरुण भारत संघ ने पारंपरिक भारतीय जल संचयन प्रणालियों (जैसे जोहड़, चेक डैम और तालाब) को पुनर्जीवित किया। उनके इस प्रयास से राजस्थान के अलवर और आस-पास के जिलों की अरवरी, रूपारेल, सरसा, भगानी और जहाजवाली जैसी बात सूखी नदियां दोबारा जीवित हो उठीं और हजारों एकड़ बंजर भूमि फिर से हरी-भरी हो गई।पारंपरिक ज्ञान और सामुदायिक नेतृत्व करके उन्होंने सिद्ध किया कि पानी का संकट बड़ी-बड़ी मशीनों से नहीं, बल्कि समाज की सहभागिता और पूर्वजों के पारंपरिक ज्ञान से दूर हो सकता है। उन्होंने ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाया और पानी के प्रबंधन के लिए जल संसद की स्थापना की।खादी के वस्त्र पहनने वाले राजेंद्र सिंह जी का पूरा जीवन गांधीवादी विचारों और प्रकृति के प्रति समर्पण का प्रतीक है। वे पिछले चार दशकों से लगातार गांवों, जंगलों और नदियों को बचाने के लिए देश-विदेश में पदयात्राएं कर रहे हैं। सामुदायिक नेतृत्व और जल संरक्षण के क्षेत्र में उनके इसी अभूतपूर्व और क्रांतिकारी कार्य के लिए उन्हें वर्ष 2001 में प्रतिष्ठित रमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें वर्ष 2015 में उन्हें पानी के क्षेत्र का दुनिया का सबसे बड़ा पुरस्कार स्टॉकहोम वॉटर प्राइज दिया गया, जिसे पानी का नोबेल पुरस्कार भी कहा जाता है। दुनिया भर की पर्यावरण संस्थाएं आज उनके जल प्रबंधन मॉडल का अध्ययन करती हैं।राजेंद्र सिंह का जीवन और उनका संघर्ष हमें याद दिलाता है कि पानी केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन की आत्मा है। आने वाली पीढ़ियों को जल संकट से बचाने के लिए उनका काम पूरी मानवता के लिए एक मार्गदर्शक मशाल है।धरती को हरा-भरा बनाने वाले, नदियों के रक्षक और भारत के गौरव राजेंद्र सिंह से मौजूदा हालात पर बातचीत

देश में नदियों की स्थिति बहुत खराब है और कई नदियों का अस्तित्व ही समाप्त हो रहा है।इसे किस रुप में देखते हैं?- नदियां बीमार हो रही हैं, लेकिन उनके उपचार और पुनर्जनन के लिए प्रभावी कानून का सर्वथा अभाव है। इसलिए अब नदी संरक्षण और नदी पुनर्जनन कानून की आवश्यकता शिद्दत से महसूस की जा रही है।नदियां केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि सभ्यता, संस्कृति, अर्थव्यवस्था और जीवन का आधार हैं। दुनिया की अधिकांश सभ्यताएं नदियों के किनारे विकसित हुईं। आज अतिक्रमण, प्रदूषण और अत्यधिक दोहन के कारण नदियां अपनी पहचान खो रही हैं। कहीं वे सूख रही हैं, तो कहीं बाढ़ और विनाश का कारण बन रही हैं। नदियों का मरना, सभ्यता के संकट का संकेत है। भारत तेजी से जल संकट की ओर बढ़ रहा है। अनियंत्रित शहरीकरण, औद्योगीकरण, जल स्रोतों पर कब्जा, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन ने जल चक्र को असंतुलित कर दिया है। इसके कारण बाढ़ और सूखे की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही हैं।

खाड़ी देश आखिर क्यों परेशान हैं?

» ईरान-अमेरिका टकराव ने बढ़ाई मध्य पूर्व की बेचैनी

सैयद इसरार हुसैन

मध्य पूर्व एक बार फिर वैश्विक भू-राजनीति का केंद्र बनता जा रहा है। ईरान और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ता तनाव अब केवल दो देशों का विवाद नहीं रह गया, बल्कि इसका असर पूरे खाड़ी क्षेत्र की राजनीति, सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर साफ दिखाई देने लगा है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर, कुवैत और बहरीन जैसे खाड़ी देश इस टकराव को लेकर गहरी चिंता में हैं, क्योंकि क्षेत्र में किसी भी बड़े संघर्ष का सीधा प्रभाव उनके आर्थिक हितों और आंतरिक सुरक्षा पर पड़ सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, खाड़ी देशों की सबसे बड़ी दुविधा यह है कि वे लंबे समय से अमेरिका के रणनीतिक सहयोगी रहे हैं, लेकिन साथ ही वे ईरान के साथ खुला टकराव भी नहीं चाहते। यही कारण है कि ये देश लगातार संतुलित कूटनीति अपनाने की कोशिश कर रहे हैं।

क्यों बढ़ रही है चिंता?- खाड़ी क्षेत्र की चिंता के केंद्र में होरमुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) है, जिसे दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में गिना जाता है। वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री रास्ते से होकर गुजरता है। ईरान पहले भी कई बार इस जलमार्ग को बंद करने या यहां अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने की चेतावनी दे चुका है। ऐसे में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ती सैन्य गतिविधियों ने पूरे क्षेत्र की बेचैनी बढ़ा दी है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि हालात युद्ध की ओर बढ़ते हैं, तो सबसे पहले वैश्विक तेल बाजार प्रभावित होगा। कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है, जिसका असर दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ेगा। भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों की चिंता भी इसी वजह से बढ़ रही है।

अमेरिका की रणनीति और खाड़ी देशों की दुविधा- अमेरिका लगातार ईरान पर दबाव बनाने की नीति पर काम कर रहा है। वॉशिंगटन का आरोप है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम और उसकी सैन्य गतिविधियां क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा हैं। वहीं तेहरान अमेरिका की नीतियों को अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप और क्षेत्रीय प्रभुत्व स्थापित करने की कोशिश बताता है।

हाल के महीनों में अमेरिकी सैन्य गतिविधियों और कड़े बयानों ने तनाव को और बढ़ा दिया है। हालांकि, खाड़ी देश इस टकराव में सीधे शामिल होने से बचना चाहते हैं। कई रिपोर्टों में संकेत मिले हैं कि खाड़ी देशों ने अमेरिका से अपने सैन्य अड्डों और हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल को लेकर संयम बरतने की अपील की है, ताकि उनका क्षेत्र किसी बड़े सैन्य संघर्ष का केंद्र न बने।

ईरान से खतरा भी, रिश्तों की मजबूरी भी- खाड़ी देशों को ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं से लगातार खतरा महसूस होता रहा है। बीते वर्षों में तेल प्रतिष्ठानों और समुद्री जहाजों पर हुए हमलों ने उनकी सुरक्षा चिंताओं को और गहरा किया है। इसके बावजूद, ये देश ईरान के साथ संबंध पूरी तरह खराब करने के पक्ष में नहीं हैं।

दरअसल, खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था केवल तेल पर ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय व्यापार, निवेश और स्थिरता पर भी निर्भर करती है। यही वजह है कि वे एक तरफ अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका के साथ खड़े दिखाई देते हैं, तो दूसरी तरफ ईरान के साथ संवाद बनाए रखने की रणनीति भी अपनाते हैं।

दुनिया की नजरें मध्य पूर्व पर- ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव अब वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है। यह केवल राजनीतिक या सैन्य टकराव नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़ा बड़ा मुद्दा है। खाड़ी देश फिलहाल शांति और कूटनीतिक समाधान की वकालत कर रहे हैं, लेकिन क्षेत्र में बढ़ती सैन्य गतिविधियां और आक्रामक बयानबाजी यह संकेत दे रही हैं कि आने वाले समय में मध्य पूर्व की स्थिति और अधिक संवेदनशील हो सकती है।

ऐसे में पूरी दुनिया की नजरें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या कूटनीति इस संकट को टाल पाएगी, या फिर मध्य पूर्व एक बार फिर बड़े भू-राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बनने जा रहा है।

आदिवासी मौन क्रांति के महानायकः गणि राजेन्द्र विजय

लेखक - ललित गर्ग

समाज परिवर्तन के इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो मंचों की चकाचौंध, प्रचार के कोलाहल और सम्मान की आकांक्षाओं से दूर रहकर भी अपने कार्यों से युग की दिशा बदल देते हैं। वे न तो प्रसिद्धि के भूखे होते हैं, न राजनीतिक शक्ति के प्रदर्शन के इच्छुक। उनका जीवन ही उनका संदेश बन जाता है और उनका मौन कर्म ही उनकी पहचान। ऐसे ही व्यक्तित्व हैं गणि राजेन्द्र विजयजी, जिन्होंने आदिवासी समाज के उत्थान, अहिंसक चेतना के प्रसार और संस्कार आधारित सामाजिक पुनर्निर्माण के माध्यम से एक ऐसी परिवर्तन-धारा प्रवाहित की है, जो आज अनेक क्षेत्रों में आशा की नई किरण बनकर उभर रही है। आज जब समाज का बड़ा हिस्सा प्रदर्शन, प्रचार और शक्ति-प्रदर्शन की मानसिकता से प्रभावित है, तब गणि राजेन्द्र विजयजी का कार्य हमें यह विश्वास दिलाता है कि बिना शोर किए भी इतिहास रचा जा सकता है। उन्होंने अपने जीवन को आदिवासी समाज के पुनर्जागरण के लिए समर्पित कर दिया। यह समर्पण केवल भाषणों या घोषणाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि धरातल पर उसके ठोस परिणाम दिखाई देते हैं। गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ और राजस्थान के अनेक आदिवासी क्षेत्रों-कंवाट, बलद, रंगपुर, बोडेली और अन्य अंचलों में सामाजिक परिवर्तन की जो नई तस्वीर दिखाई देती है, वह इसी तप, त्याग और दूरदर्शिता का परिणाम है। आदिवासी समाज को अक्सर विकास की मुख्यधारा से दूर माना गया है। इतिहास गवाह है कि इस समाज को लंबे समय तक उपेक्षा, अभाव, शोषण और विस्थापन का सामना करना पड़ा। उनके संसाधनों का उपयोग तो हुआ, पर उनके जीवन में समृद्धि नहीं पहुंची। उनके जंगल, जल और जमीन पर अधिकारों की लड़ाइयां चलती रहीं, लेकिन उनके आंसुओं को समझने वाले बहुत कम मिले। ऐसे समय में यदि कोई संत उनके बीच जाकर उन्हें आत्मविश्वास, शिक्षा, संस्कार और अहिंसा का मार्ग दिखाए, तो वह केवल सेवा नहीं बल्कि सामाजिक पुनर्जन्म का कार्य है। गणि राजेन्द्र विजयजी ने यही किया। उन्होंने आदिवासी समाज को दया का पात्र नहीं माना, बल्कि क्षमता और संभावनाओं से भरे समुदाय के रूप में देखा। उन्होंने उनमें आत्मसम्मान जगाया, जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टि विकसित की और यह विश्वास पैदा किया कि वे भी राष्ट्र निर्माण के सक्रिय भागीदार बन सकते हैं। उनके प्रयासों का एक महत्वपूर्ण आयाम है- ''सुखी परिवार अभियान''। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं, बल्कि संस्कारों की पहली पाठशाला है। यदि परिवार टूटते हैं तो समाज बिखरता है और यदि परिवार मजबूत होते हैं तो राष्ट्र मजबूत होता है। इसी सोच के साथ सुखी परिवार फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2006 से संचालित यह अभियान समाज में संस्कार, संवाद और समरसता का वातावरण निर्मित कर रहा है। मुझे इस अभियान से प्रारंभ से जुड़ने और संस्थापक महामंत्री से लेकर वर्तमान में अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का अवसर मिला, यह मेरा सौभाग्य है। इस यात्रा में मैंने निकट से देखा है कि गणिजी परिवार को समाज परिवर्तन की मूल इकाई मानते हैं। उनका स्पष्ट विचार है कि यदि माता-पिता संस्कारवान होंगे, तो बच्चों में स्वतः चरित्र, अनुशासन और नैतिकता का विकास होगा। आज समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक संकट की है। भौतिक उपलब्धियां बढ़ रही हैं, लेकिन संवेदनाएं घट रही हैं। शिक्षा का विस्तार हुआ है, पर संस्कारों का क्षरण भी तेज हुआ है। आधुनिकता की दौड़ में परिवारों का संवाद टूट रहा है और बच्चे दिशाहीनता की ओर बढ़ रहे हैं। यदि बाल पीढ़ी संस्कारों से वंचित हो गई, तो उसका प्रभाव केवल परिवार तक सीमित नहीं रहेगा; वह पूरे समाज और राष्ट्र के चरित्र को प्रभावित करेगा। यही कारण है कि गणि राजेन्द्र विजयजी बच्चों और युवाओं के चरित्र निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। वे मानते हैं कि भारत का भविष्य केवल तकनीकी विकास से सुरक्षित नहीं होगा, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण से ही सशक्त बनेगा। आज भारत को केवल आर्थिक क्रांति नहीं, बल्कि सांस्कृतिक क्रांति की आवश्यकता है। यह कार्य केवल सरकारी तंत्र के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। सरकारें सड़कें, भवन और योजनाएं बना सकती हैं, लेकिन संस्कारों का निर्माण समाज और परिवार ही कर सकते हैं। वास्तविक शिक्षा वही है जो व्यक्ति को मनुष्य बनाए, उसमें संवेदना जगाए, जिम्मेदारी का बोध कराए और उसे जीवन के प्रति नैतिक दृष्टि दे। केवल डिग्रियां समाज को महान नहीं बनातीं, चरित्र बनाता है। यदि शिक्षा के साथ संस्कार नहीं जुड़े, तो ज्ञान भी विनाश का कारण बन सकता है। आदिवासी क्षेत्रों में गणि राजेन्द्र विजयजी द्वारा किए गए प्रयास इसी दिशा में एक उज्ज्वल प्रयोग हैं। उन्होंने यह सिद्ध किया कि यदि समाज के सबसे उपेक्षित वर्गों तक प्रेम, शिक्षा और अवसर पहुंचाए जाएं, तो वे हिंसा से अहिंसा और निराशा से विकास की ओर अग्रसर हो सकते हैं। विशेष रूप से यह उल्लेखनीय है कि जिन क्षेत्रों में कभी हिंसा, संघर्ष, भय और वैमनस्य की स्थितियां बनी रहती थीं, वहां आज संवाद, सहयोग और शांति का वातावरण विकसित हुआ है। यह परिवर्तन किसी प्रशासनिक दबाव या राजनीतिक हस्तक्षेप से नहीं, बल्कि आध्यात्मिक शक्ति और मानवीय विश्वास से संभव हुआ। कई अवसर ऐसे आए जब विभिन्न विरोधी समूह हिंसक संघर्ष की स्थिति में थे। वातावरण तनावपूर्ण था और जनहानि की आशंका थी।

भारतीय मूल के आरोन राय ने रचा इतिहास

पहला पीजीए चैंपियनशिप खिताब जीता

पेनसिल्वेनिया (एजेंसी)। भारतीय मूल के इंग्लिश गोल्फर आरोन राय ने 2026 पीजीए चैंपियनशिप जीतकर अपने करियर का सबसे बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। पेनसिल्वेनिया के एरोनिमिंक गोल्फ क्लब में खेले गए टूर्नामेंट में राय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना पहला मेजर खिताब जीता। 31 वर्षीय आरोन राय ने फाइनल राउंड में शानदार संयम दिखाया और 9-अंडर पार के स्कोर के साथ चैंपियन बने।

68 फीट के बर्डी पुट ने बदल दिया मैच – टूर्नामेंट का सबसे यादगार पल 17वें होल पर देखने को मिला, जब आरोन राय ने 68 फीट लंबा शानदार बर्डी पुट लगाया। इस शानदार शॉट ने उन्हें बाकी खिलाड़ियों से तीन स्ट्रोक आगे पहुंचा दिया और यहीं से उनकी जीत लगभग तय हो गई। 18वें होल पर उन्होंने शांत अंदाज में पार पूरा किया और प्रतिष्ठित वानामेकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

100 साल बाद इंग्लैंड को मिला पीजीए चैंपियन – आरोन राय 1919 के बाद पीजीए चैंपियनशिप जीतने वाले पहले इंग्लिश खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले जिम बार्न्स ने यह खिताब जीता था। यह जीत उनके लिए इसलिए भी खास रही क्योंकि 2026 सीजन में वह लगातार संघर्ष कर रहे थे और कई मौकों पर निराशा हाथ लगी थी।

करियर की सबसे बड़ी जीत – पीजीए चैंपियनशिप जीतने के बाद आरोन राय अब गोल्फ की दुनिया के नए मेजर चैंपियन बन गए हैं। एरोनिमिंक में उनका यह प्रदर्शन 2026 सीजन के सबसे यादगार फाइनल राउंड में गिना जा रहा है।

जीत के बाद भावुक हुए आरोन राय – खिताब जीतने के बाद आरोन राय ने कहा, यह सब किसी सपने जैसा लग रहा है। यह सीजन मेरे लिए काफी निराशाजनक रहा था, इसलिए यहां खड़े होकर ट्रॉफी जीतना मेरी कल्पना से भी बाहर है। उन्होंने गोल्फ को जिंदगी सिखाने वाला खेल बताते हुए कहा, गोल्फ आपको विनम्रता, अनुशासन और कड़ी मेहनत सिखाता है। इस खेल में कुछ भी आसानी से नहीं मिलता।

दूसरे खिलाड़ियों का प्रदर्शन – आरोन राय ने 9-अंडर पार के स्कोर के साथ टूर्नामेंट खत्म किया। उनके पीछे एलेक्स स्मैली और जॉन रहम 6-अंडर पार के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे। वहीं मैटी शिमड, लुडविग ऑबर्ग और जस्टिन थॉमस 5-अंडर पार के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

सूर्यवंशी एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले भारतीय

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2026 के 62वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 5 विकेट से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में राजस्थान ने 193 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 19.2 ओवर में 5 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। रविवार को वैभव सूर्यवंशी एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए।

वहीं, केएल राहुल ने आईपीएल में 8वीं बार 500+ रन पूरे किए। यशस्वी जायसवाल ने टी-20 क्रिकेट में अपने 4 हजार रन पूरे किए।

राहुल और पोरेल ने नाबाद 105 रन जोड़े

राहुल और अभिषेक पोरेल ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 105 रन की नाबाद साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों ने शुरुआत से आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। यह राजस्थान के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स की चौथी 100+ रन की साझेदारी रही।

यशस्वी के 129 पारी में 4 हजार टी-20 रन

राजस्थान रॉयल्स के ओपनर यशस्वी जायसवाल ने टी20 क्रिकेट में 4000 रन पूरे कर लिए। उन्होंने यह उपलब्धि 129 पारियों में हासिल की। वह सबसे कम पारियों में 4000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

सूर्यवंशी ने सीजन में 44 सिक्स लगाए – राजस्थान के ओपनर वैभव सूर्यवंशी आईपीएल 2026 में 44 छक्के लगा चुके हैं।

वे किसी एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा का 42 छक्कों का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा।

राहुल आईपीएल में 50 बार 50+ स्कोर बनाने वाले पांचवें बल्लेबाज बने – राहुल आईपीएल इतिहास में 50 बार 50+ स्कोर बनाने वाले सिर्फ पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। इस सूची में विराट कोहली सबसे आगे हैं, जिनके नाम 76 फिफ्टी प्लस स्कोर हैं।

- **राहुल का 8वां 500+ रन वाला आईपीएल सीजन** – केएल राहुल ने आईपीएल में 8वीं बार 500 से ज्यादा रन पूरे किए। वह अब आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा 500+ रन वाले सीजन खेलने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस मामले में सिर्फ विराट कोहली उनसे आगे हैं। राहुल ने लगातार तीसरे आईपीएल सीजन में 500+ रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 2024, 2025 और 2026 में यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले राहुल 2018 से 2022 तक लगातार 5 सीजन 500+ रन बना चुके हैं।
- **राहुल ने राजस्थान के खिलाफ सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाए** – दिल्ली के बल्लेबाज केएल राहुल ने राजस्थान के खिलाफ एक और बड़ी पारी खेलते हुए आईपीएल में अपना 9वां 50+ स्कोर बनाया। इसके साथ ही वह राजस्थान के खिलाफ सबसे ज्यादा बार 50 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने एबी डिविलियर्स का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा, जिन्होंने ऋक्के खिलाफ 8 बार 50+ स्कोर बनाए थे। राहुल ने यह उपलब्धि सिर्फ 19 पारियों में हासिल की।

वैभव ने इस सीजन पहली गेंद पर तीसरी बार सिक्स लगाया

वैभव सूर्यवंशी ने इस सीजन तीसरी बार अपनी पहली ही गेंद पर छक्का लगाया। आईपीएल इतिहास में एक सीजन में तीन बार पहली गेंद पर सिक्स लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में अब उनका नाम भी शामिल हो गया है। उनसे पहले शाहरुख खान ने 2023, सुनील नरेन 2025, देवदत्त पडीक्कल 2026 में ऐसा कर चुके हैं। आईपीएल में यह 8वीं बार रहा, जब वैभव ने अपनी पारी की शुरुआत सिक्स से की।

अफगानिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया का ऐलान कल

बुमराह को आराम मिल सकता है, रोहित की फिटनेस पर सस्पेंस, पडिक्कल-अकीब नबी पर नजरें

मुंबई (एजेंसी)। अफगानिस्तान अगले महीने भारतीय दौरे पर आ रही है। उसे यहां 6 जून से एक टेस्ट और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। इस सीरीज के खिलाफ भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान मंगलवार को होगा। यह दावा मीडिया ने एक रिपोर्ट में किया है। इसके अनुसार गुवाहाटी में होने वाली सिलेक्शन कमेटी की बैठक में जसप्रीत बुमराह को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया जा सकता है। साथ ही रोहित शर्मा की फिटनेस पर भी चर्चा होगी। देवदत्त पडिक्कल, आकिब नबी और प्रिंस यादव पर भी नजरें रहेंगी।

रोहित पर फैसला बाकी, विराट खेलेंगे वनडे – रोहित शर्मा आईपीएल में मांसपेशियों की चोट से जूझते रहे हैं। वे आईपीएल में मुंबई के कई मैचों से बाहर रहे। ऐसे में सिलेक्टर्स उन्हें वनडे टीम में तभी शामिल करेंगे, जब वे पूरी तरह फिट होंगे। वहीं, शानदार फॉर्म में चल रहे विराट कोहली के सभी वनडे खेलने की संभावना है।रोहित और कोहली ने 18 जनवरी को इंदौर में एक साथ पिछला वनडे मैच खेला था।

महवश ने चहल संग रिश्ते की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

मुंबई (एजेंसी)। एक्ट्रेस और कंटेंट क्रिएटर आरजे महवश ने क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ अपने रिश्ते को लेकर चल रही अफवाहों पर रिएक्शन दिया। महवश ने कहा कि उनके और चहल के बीच सिर्फ दोस्ती थी। हाल ही में दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो किया था, जिसके बाद चर्चाएं तेज हो गईं। इस पर महवश ने पिंकविला को दिए इंटरव्यू में कहा, लोगों का यह है ना कि चीजों को बहुत बड़ा बना देते हैं। इतनी कोई बड़ी बात नहीं होती, जब आप खुद उस चीज से गुजर रहे होते हो। दोस्तों में बहस हो गई, अनफॉलो हो गया और बात खत्म। इसमें इतनी बड़ी बात है ही नहीं। उन्होंने कहा, जिन दोस्तों के साथ आपने छोटी-छोटी बातों पर हंसते हुए वक्त बिताया हो, उनके लिए दिल में बैर नहीं रखना चाहिए। मैं हमेशा उन्हें ऑल द बेस्ट विश करूंगी और मेरी शुभकामनाएं हमेशा उनके साथ रहेंगी। साल 2025 में चहल और धनश्री के तलाक के बाद चहल और महवश को कई बार साथ देखा गया, जिसके बाद दोनों के रिलेशनशिप में होने की चर्चा होने लगी।

महवश बोलीं- मैं दोस्ती बहुत अच्छे से निभाती हूं – जब उनसे पूछा गया कि क्या उनकी और चहल की दोस्ती से बढ़कर भी कुछ था, तो उन्होंने साफ इनकार कर दिया। महवश ने कहा, 'नहीं, ऐसा कुछ नहीं था। मैं दोस्ती बहुत अच्छे से निभाती हूं। उस समय उन्हें एक अच्छे दोस्त की बहुत जरूरत थी।' महवश ने चहल के मेंटल स्ट्रगल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'जैसा कि उन्होंने अपने पॉडकास्ट में बताया था कि उनके मन में सुसाइडल थॉट्स आ रहे थे। उस समय हम सब कोशिश कर रहे थे कि किसी तरह उनका आईपीएल सीजन अच्छे से निकल जाए। हम सबने मिलकर उनका जितना साथ दे सकते थे, दिया।' उन्होंने यह भी कहा, 'मेरे लिए बस इतना था कि अपने दोस्त के साथ खड़े रहना है। हम ऐसे वक्त में उनके साथ थे।' महवश ने यह भी साफ किया कि अगर आगे उनकी और चहल की मुलाकात होगी, तो सब पहले जैसा ही रहेगा। उन्होंने कहा, 'हम वैसे ही मिलेंगे जैसे हमेशा मिलते थे। जिन दोस्तों के साथ आपने चाय पर बातें की हों और हर तरह के मजाक किए हों, उनसे दिल में क्या ही रखोगे।'

चहल ने रिश्ते की अफवाहों को पहले ही नकारा – महवश से पहले चहल रिलेशनशिप की अफवाहों को खारिज कर चुके हैं। राज शमानी के पॉडकास्ट में उन्होंने कहा था कि उनके और महवश के बीच सिर्फ दोस्ती है। उन्होंने यह भी बताया था कि इन अफवाहों की वजह से महवश को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा, जिसे लेकर उन्हें काफी बुरा लगा।

दिल्ली से गोरखपुर तक चलेगी अमृत भारत ट्रेन

- दिल्ली-फरीदाबाद नई मेमू को भी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलवे ने दिल्ली गोरखपुर और फरीदाबाद के यात्रियों को बड़ी सौगात दी है। रेलवे बोर्ड ने दिल्ली से गोरखपुर के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस साप्ताहिक ट्रेन चलाने को मंजूरी दी है। इसके साथ ही दिल्ली और फरीदाबाद के बीच नई मेमू ट्रेन चलाने की भी मंजूरी मिली है। हालांकि, इसके चलने की तारीख अभी तय नहीं हुई है। दावा है कि जल्द ही तारीख की घोषणा की जाएगी। रेलवे प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, ट्रेन नंबर 14046 अमृत भारत एक्सप्रेस दिल्ली से गोरखपुर मंगलवार को दिल्ली से रात 12 :40 बजे रवाना होगी और मंगलवार को ही शाम 3 :50 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वहीं, ट्रेन नंबर 14045 अमृत भारत एक्सप्रेस गोरखपुर से दिल्ली मंगलवार को रात 9 :40 बजे गोरखपुर से चलकर बुधवार दोपहर 12 :50 बजे दिल्ली पहुंचेगी।

पेट्रोल पर सरकार का बड़ा फैसला, 3 रुपये बढ़ गया टैक्स

नईदिल्ली, एजेंसी। पेट्रोल को लेकर केंद्र सरकार ने कड़ा फैसला किया है। केंद्र सरकार ने पेट्रोल के एक्सपोर्ट पर 3 रुपये प्रति लीटर की स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी लगाई है। हालांकि, सरकार ने डीजल पर लगने वाले शुल्क में कटौती की गई थी। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव की वजह से दुनिया भर में तेल को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। फरवरी में जो क्रूड ऑयल 70 डॉलर प्रति बैरल के पास बिक रहा था, वह अब 100 डॉलर प्रति बैरल को क्रॉस कर गया है। जिसकी वजह से दुनिया भर की सरकारें अपने स्तर पर उपलब्धता बनाए रखने और कीमतों को नियंत्रित करने के लिए कदम उठा रही हैं। सरकारी आदेश के अनुसार डीजल के एक्सपोर्ट पर ड्यूटी को 23 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 16.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं, एटीएफ पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी को 33

रुपये प्रति लीटर से घटाते हुए 16 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। बता दें, घरेल स्तर पर पेट्रोल और डीजल को लेकर एक्साइज ड्यूटी में कोई बदलाव नहीं हुआ है। यानी तेल कंपनियों को अब भी सरकार की तरफ से मिलने वाली राहत जारी है।

क्या ड्यूटी बढ़ने से महंगा हो जाएगा पेट्रोल- नहीं, यह फैसला सरकार ने एक्सपोर्ट को लेकर किया है। ऐसे में घरेलू स्तर पर इस फैसले का असर नहीं पड़ेगा। बता दें, शुक्रवार को ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने तेल की कीमतों में इजाफा किया था। तब पेट्रोल और डीजल के रेट को 3-3 रुपये बढ़ा दिया गया था। 2022 के बाद पहली बार तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल का रेट बढ़ाया था।

क्या होता है स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी- स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी कुछ चुनिंदा प्रोडक्ट्स पर लगाया जाता है। खास तौर पर क्रूड ऑयल और पेट्रोल, डीजल के साथ-साथ एटीएफ के एक्सपोर्ट पर। 1 मई को सरकार ने डीजल और एटीएफ के एक्सपोर्ट ड्यूटी में बदलाव किया था। लेकिन तब पेट्रोल को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ था।

कच्चे तेल ने किया नाक में दम

मौजूदा समय में कच्चे तेल की बढ़ हुई कीमतों ने तेल कंपनियों से लेकर सरकारों को परेशान किया है। अधिक रेट होने की वजह से सरकारों पर भारी दबाव बन रहा हूं। जिससे देश के अंदर महंगाई में तेज इजाफा हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार कच्चे तेल के अधिक रेट होने की वजह से ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को इस तिमाही में 57000 करोड़ रुपये से 58000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है।

जाने-माने अर्थशास्त्री अरविंद पनगढ़िया सोने पर ड्यूटी बढ़ाने से नहीं सहमत

रुपये को कमजोर होने दें

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त आयोग के चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया ने सोने के आयात पर ज्यादा ड्यूटी लगाकर उसे टारगेट करने के खिलाफ चेतावनी दी है। उनका तर्क है कि रुपये को कमजोर होने देना भारत के बढ़ते 'करंट अकाउंट' (चालू खाता) के दबाव को संभालने का ज्यादा असरदार तरीका होगा। पनगढ़िया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उन सार्वजनिक अपीलों का समर्थन किया जिनमें उन्होंने लोगों से अपने व्यवहार में बदलाव लाने को कहा था। मसलन, कम यात्रा करना और 'वर्क फ्रॉम होम' करना। लेकिन, उन्होंने सोने के आयात पर चुनिंदा तरीके से ड्यूटी बढ़ाने के फैसले पर सवाल उठाए।

पनगढ़िया ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने जिस तरह से नैतिक अपील का सहारा लिया है, उससे मुझे कोई दिक्कत नहीं है।' उन्होंने आगे कहा, 'किसी भी नेता के लिए, जब उसे भविष्य में किसी संकट के बादल मंडराते दिखते हैं, तो बचाव का यह पहला तरीका होता है।' उन्होंने इस अपील की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 1965 की उस अपील से की, जिसमें उन्होंने खाने की कमी के दौरान भारतीयों से हफ्ते में एक दिन उपवास रखने को कहा था।

सोने पर ड्यूटी बढ़ाना कितना प्रभावी- पनगढ़िया जनवरी 2015 से अगस्त 2017 तक नीति आयोग के पहले उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि

सरकार 'करंट अकाउंट डेफिसिट' (सीएडी) को लेकर चिंतित दिखती है। लेकिन, उन्होंने तर्क दिया कि इस समस्या का सही नीतिगत समाधान विनिमय दर में बदलाव करना है।

सोने की तस्करी में आ सकती है तेजी

पनगढ़िया ने स्वीकार किया कि ज्यादा ड्यूटी लगाने से सोने का आयात कम हो सकता है। लेकिन, उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इससे सोने की तस्करी और अनौपचारिक व्यापार को बढ़ावा मिल सकता है। उन्होंने कहा, 'ड्यूटी बढ़ाने से सोने की कीमत बढ़ जाती है। इसका सीधा असर यह होता है कि सोने का आयात कम हो जाता है। इसमें कोई शक नहीं है। इसका एक असर यह भी हो सकता है जिसे आप शायद 'अनौपचारिक' कहें, लेकिन मेरी सीधी-सादी भाषा में कहें तो सोने की तस्करी में भी थोड़ी तेजी देखने को मिल सकती है।' जाने-माने अर्थशास्त्री ने तर्क दिया कि आयात की मांग को तय करने के लिए टारगेटेड पाबंदियों के बजाय बाजार-आधारित कीमतों के संकेतों को आधार बनाया जाना चाहिए।

पीएम मोदी की अपील पर दी यह राय

पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी संघर्ष और कच्चे तेल की बढ़ती ग्लोबल कीमतों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईंधन बचाने के उपायों पर जोर दिया है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे गैर-जरूरी यात्रा से बचें। ईंधन की खपत कम करें। कई कंपनियों ने 'वर्क-फ्रॉम-होम' की व्यवस्था का विस्तार किया है। जबकि सरकारों ने खर्च में कटौती के उपाय अपनाए हैं। इनमें सरकारी काफिलों को कम करना भी शामिल है। अरविंद पनगढ़िया ने कहा कि इस तरह की अपीलें लोगों के व्यवहार को प्रभावित कर सकती हैं। जब उनसे पूछा गया कि ये कदम अर्थव्यवस्था की मदद कैसे करेंगे तो उन्होंने कहा, 'यह सब नेता के असरदार होने पर निर्भर करता है। अगर कई नागरिक इन बातों से प्रेरित होते हैं तो इसका कुछ न कुछ असर जरूर होगा।'

सेकेंड हैंड एक्टिवा से सड़क-सड़क छानी खाक

दो दोस्तों ने ऐसे खड़ा किया करोड़ों का बिजनेस

नई दिल्ली, एजेंसी। अंकित आलोक बगड़िया और अभि गावड़ी आईआईटी रुड़की के पासआउट हैं। इन दोनों दोस्तों ने कॉर्पोरेट नौकरियों के बजाय उद्यमिता का रास्ता चुना। प्री-प्लेसमेंट ऑफर ठुकराकर वेस्ट मैनेजमेंट और एनिमल फीड यानी पशु आहार के सेक्टर में उतरने का फैसला किया। साल 2019 में बेंगलुरु में 'लूपवर्म' नाम के बायोसाइंस स्टार्टअप की नींव रखी। इन दोस्तों ने शुरुआती दिनों में एक पुरानी एक्टिवा पर 50-50 किलो कचरा ढोकर जमीनी स्तर पर काम किया। आज उनका स्टार्टअप सिल्कवर्म और ब्लैक सोल्जर फ्लाइज के जरिए ऑर्गेनिक वेस्ट को हाई-क्वालिटी प्रोटीन में बदल रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में इस कंपनी का एनुअल रेकरिंग रेवेन्यू यानी एआरआर 20 लाख डॉलर (लगभग 16 करोड़ रुपये) पहुंच गया। आइए, यहां अंकित आलोक बगड़यिा और अभि गावड़ी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

ऐसे आया आइडिया

अंकित आलोक बगड़िया और अभि गावड़ी ने आईआईटी रुड़की से केमिकल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की है। कॉलेज के दौरान 'इनेक्टस' ग्रुप से जुड़कर उन्होंने कचरा प्रबंधन पर काम किया। जल्द ही उनका ध्यान खाद्य और कृषि से निकलने वाले भारी वेस्ट पर गया। अंकित और अभि ने शानदार प्री-प्लेसमेंट ऑफर को ठुकराकर खुद का उद्यम शुरू करने का रिस्क लिया। दोनों ने महसूस किया कि रेशम के कीड़ों (सिल्कवर्म) और मक्खियों के लार्वा में प्राकृतिक रूप से प्लांट-बायोमास को प्रोटीन में बदलने की क्षमता होती है। इसी आइडिया के साथ 2019 में 'लूपवर्म' की नींव पड़ी। इसका मकसद पारंपरिक समुद्री स्रोतों (जैसे फिश मील) पर निर्भरता को कम करके पशु और पेट न्यूट्रिशन के लिए टिकाऊ प्रोटीन विकल्प तैयार करना था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)